सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 278 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 21 जुलाई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बलरामपुर में यात्री बस में 10 लाख का गांजा मिला, ओडिशा के 4 संदिग्ध हिरासत में

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर पुलिस ने अंबिकापुर से वाराणसी जा रही यात्री बस से करीब 92 किलो गांजा जब्त किया है। बस की जांच देर रात वाड्रफनगर में की गई। बस से 12 बैग बरामद किए गए, जिनमें गांजा भरा हुआ था। पुलिस ने मामले में 4 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। जब्त गांजे की कीमत 10 लाख रुपए है। मामला वाड्रफनगर चौकी क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अंबिकापुर से वाराणसी जा रही महिंद्रा बस को रात करीब 11.30 बजे वाड्रफनगर में रोका। पुलिस को बस में कुछ संदिग्ध यात्री गांजे की तस्करी की सूचना मिली थी।

वाड्रफननगर एसडीओपी पुष्पराज सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बस में सवार सभी लोगों के लगेज की जांच की। जांच के दौरान पुलिस को 12 बैग मिले, जिनमें गांजा भरा हुआ था। बस में करीब एक क्विंटल गांजा जब्त होने पर पुलिस ने बस सवार ओडिशा के 4 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ कर रही है।

जांच में पता चला है कि ये सवार ओडिशा से अंबिकापुर आए थे और अंबिकापुर से यात्री बस में सवार होकर वाराणसी जा रहे थे।

शिक्षिका, पटवारी समेत 3 गिरफ्तार, सरकारी जमीन कर रहे थे अपने नाम

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले की कुसमी तहसील से सरकारी जमीन के दस्तावेज में छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पटवारी के साथ मिलकर मां बेटे ने शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा करने के लिए दस्तावेजों में कूट रचना की थी। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, नायब तहसीलदार पारस शर्मा ने शिक्षिका सरस्वती गुप्ता, शिक्षिका के बेटे अंबिकेश गुप्ता और तत्कालीन हल्का पटवारी बिहारी कुजूर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की जांच रिपोर्ट में पाया गया कि वर्ष 2013-14 के बी-1 रिकॉर्ड में फर्जी तरीके से नाम दर्ज कर जमीन हड़पने की कोशिश की गई है। साथ ही आरोपियों ने कूटरचित आदेशों और छेड़छाड़ किए गए दस्तावेजों के जरिए न्यायालय को गुमराह करने का प्रयास किया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471, 120-बी और 34 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की है। पूछताछ के बाद सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

नक्सली बेटे ने सरेंडर किया तो पिता की कर दी हत्या
बीजापुर में दो ग्रामीणों का नक्सलियों ने किया मर्डर

मुखबिरी के शक में वारदात को दिया अंजाम, तर्रेम थाना क्षेत्र की घटना

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने कायराना करतूत को अंजाम देते हुए दो ग्रामीणों की बेरहमी से हत्या कर दी। जिले के तर्रेम थाना क्षेत्र में नक्सलियों इस जघन्य वारादात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि देर रात लगभग आधा दर्जन हथियार बंद नक्सली गांव में घुसे और वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। पुलिस मुखबिरी के शक में नक्सलियों ने दोनों की हत्या की है। नक्सलियों की जगरगुंडा कमेटी ने हत्या की जिम्मेदारी ली है।

मिली जानकारी के अनुसार 20 और 21 जुलाई की दरम्यानी रात की यह घटना है। 4-5 अज्ञात नक्सलियों ने धारदार हथियारों से लैस होकर दोनों ग्रामीणों की बेरहमी से हत्या कर दी। नक्सलियों ने ग्राम छुटवाई निवासी कवासी जोगा उम्र करीब 55 वर्ष और बड़ा तर्रेम निवासी मंगलू कुरसम उम्र करीब 50 वर्ष की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई है। मृतक ग्रामीण में से एक पिछले दिनों सरेंडर करने वाले एक नक्सली का पिता है। घटना की सूचना मिलने के बाद थाना तर्रेम की पुलिस द्वारा द्वारा घटना की जांच की जा रही है।

25 दिनों में मुखबिरी के शक में 10 लोगों की हत्या

बीजापुर में नक्सलियों ने 25 दिनों में मुखबिरी के शक में 10 लोगों की हत्या की है। जिसमें 6 ग्रामीण और 2 छात्र और 2 शिक्षक शामिल हैं। 17 जून 2025 को नक्सलियों ने बीजापुर जिले के एक गांव में 3 ग्रामीणों की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी थी। इनमें एक 13 साल का 7वीं और दूसरा 20 साल का कॉलेज का छात्र और तीसरा ग्रामीण युवक शामिल है। पूरा मामला पेद्दाकोरमा गांव का है। इसके बाद बीजापुर जिले में 22 जून को नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी के शक पर समैय्या और वेको देवा की हत्या की थी। समैय्या पहले नक्सली था। उसने 2025 में आत्मसमर्पण किया है। वहीं वेको देवा ग्रामीण है। दोनों नक्सल प्रभावित गांव सेंड्राबोर और एमपुर के रहने वाले थे।

नक्सली बेटे ने किया सरेंडर तो पिता की हत्या

बीजापुर में नक्सली सरेंडर करने वाले नक्सलियों के परिजनों को निशाना बना रहे हैं। पुलिस ने बताया कि नक्सलियों ने चिज कुरसाम मंगलू की हत्या की है उसके बेटे नंदू ने सरेंडर किया था। बताया जा रहा है कि नक्सली नंदू को मारने पहुंचे थे और उसके घर पर मौजूद नहीं होने के कारण उसके पिता कुरसाम मंगलू की हत्या कर दी। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों में डर और गुस्सा दोनों देखा जा रहा है। पुलिस ने अतिरिक्त बल भेजकर इलाके में गश्त तेज कर दी है।

25 वर्षों में नक्सलियों ने की 1821 लोगों की हत्या

नक्सलियों ने पिछले 25 साल में 1821 लोगों का मर्डर किया है। नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद से लेकर अब तक यानी पिछले 25 सालों में बस्तर के अलग-अलग जिलों में कुल 1821 लोगों की हत्या की है। इनमें आम नागरिक समेत जनप्रतिनिधि भी शामिल हैं। सबसे ज्यादा हत्या बीजापुर जिले में ही हुई है। इनमें सर्वाधिक हत्याएं पुलिस मुखबिरी के शक में की गई हैं। वहीं सरेंडर करने वाले नक्सलियों को भी सक्रिय माओवादी निशाना बनाते हैं।

19 साल पुराने मुंबई लोकल ट्रेन विस्फोट मामले में सभी 12 आरोपी निर्दोष करार, कोर्ट ने किया बरी

- साल 2006 में हुआ था मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट कांड
- निचली कोर्ट ने 5 को फांसी और 7 को दी थी उम्रकैद

मुंबई ए.। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को 19 साल पुराने मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बड़ा फैसला सुनाया। 2006 में हुए मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में 12 लोगों की कोर्ट ने निर्दोष मानते हुए बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ मामला साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है। जस्टिस अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की विशेष पीठ ने इस पर अपना फैसला सुनाया।

बता दें 11 जुलाई 2006 को पश्चिमी लाइन पर विभिन्न स्थानों पर मुंबई लोकल ट्रेनों में सात विस्फोट हुए थे। इस दौरान 180 से अधिक लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे। 2015 में एक विशेष अदालत ने इस मामले में 12 लोगों को दोषी ठहराया था, जिनमें से पांच को मृत्युदंड और शेष सात को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद मामला बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचा। लगभग 10 साल बाद इस मामले में फैसला आया और कोर्ट ने सभी दोषियों को निर्दोष करार दिया।

कोर्ट ने कहा अभियोजन पक्ष सिद्ध नहीं कर पाया दोष

जस्टिस अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की विशेष पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष की ओर से पेश किए गए सबूत आरोपियों को दोषी ठहराने के लिए काफी नहीं थे। कोर्ट ने कहा, 'अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ मामला साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है। यह मानना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है। इसलिए उनकी दोषसिद्धि रद्द की जाती है।

अन्य मामले में वांछित नहीं तो तत्काल करें रिहा

पीठ ने कहा कि वह पांच दोषियों को दी गई मृत्युदंड और शेष सात को आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखने से इनकार करती है और उन्हें बरी करती है। कोर्ट ने कहा कि अगर आरोपी किसी अन्य मामले में वांछित नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत जेल से रिहा कर दिया जाएगा। सोमवार को हाईकोर्ट का फैसला सुनाए जाने के बाद राज्य भर की विभिन्न जेलों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किए गए दोषियों ने अपने वकीलों का धन्यवाद किया।

मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान शासन की पहली प्राथमिकता : डॉ प्रियंका

- समीक्षा बैठक में अफरों को निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख योजनाओं, उनके लक्ष्यों, प्राप्तियों और कार्यों की विस्तार से चर्चा की गई। डॉ. प्रियंका शुक्ला ने कहा कि मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की प्राथमिकता वाले कार्यों में से एक है और मलेरिया को खत्म करने लिये शासन हर संभव प्रयास कर रही है।

डॉ प्रियंका शुक्ला ने कहा कि मलेरिया पैरासाइट को खत्म करने के लिए शत प्रतिशत जनसंख्या का स्क्रीनिंग करना अनिवार्य है। उन्होंने निर्देश दिया कि मलेरिया पॉजिटिव मरीज के ठीक हो जाने

के बाद 1 महीने पश्चात फिर से उस मरीज का फॉलो अप करके ब्लड सैंपल लेकर जांच किया जाए। साथ ही छिन्दगढ़ और कोंटा विकासखंड के गांव मलेरिया के अधिक प्रभाव वाले स्थानों में आते हैं, यहां विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि फील्ड के अधिकारी और स्वास्थ्य कार्यकर्ता लगातार क्षेत्र का भ्रमण करें और बुखार से पीड़ित व्यक्ति का मलेरिया जांच भी करना सुनिश्चित करें।

छत्तीसगढ़ में अब तक हो चुकी है 446 एमएम बारिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 446.1 एमएम औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 739.1 एमएम वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 240.8 एमएम वर्षा दर्ज हुई है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 438.3 एमएम, बलौदाबाजार में 439.1 एमएम, गरियाबंद में 373.8 एमएम, महासमुंद में 394.5 एमएम और धमतरी में 372.8 एमएम औसत वर्षा दर्ज हुई है।

बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 471.4 एमएम, मुंगेली में 513.3 एमएम, रायगढ़ में 570.9 एमएम, जांजगीर-चांपा में 598.6 एमएम, कोरबा में 516.9 एमएम, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 440.5 एमएम, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 437.6 एमएम, सक्ती में 538.8 एमएम औसत वर्षा दर्ज हुई है।

दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 368.5 एमएम, कबीरधाम में 333.6 एमएम, राजनांदगांव में 361.5 एमएम, बालोद में 438.8 एमएम, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 521.8 एमएम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 311.7 एमएम औसत वर्षा दर्ज हुई है। सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 351.6 एमएम, सूरजपुर में 569.3 एमएम, जशपुर में 546.1 एमएम, कोरिया में 532.2 एमएम और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 490 एमएम औसत वर्षा दर्ज हुई है। बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 509.1 एमएम, कोंडागांव में 314.9 एमएम, नारायणपुर में 347.2 एमएम, बीजापुर में 505.1 एमएम, सुकमा में 303.3 एमएम, कांकेर में 403.2 एमएम, दंतेवाड़ा में 425.6 एमएम और औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

बड़ा हादसा : पुल पार कर रहे दो बाइक सवार बहे, एक की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के बोड़ला थाना क्षेत्र अंतर्गत रानीदहरा जलप्रपात के पास आज एक बड़ा हादसा हो गया। यहां घूमने के लिए आया एक बाइक सवार बह गया, इसका शव तीन किमी आगे मिला है। वहीं, बाइक में बैठे एक अन्य व्यक्ति को बचा लिया गया है। मृतक का नाम नरेन्द्र पाल बताया जा रहा है, जिसका शव बरामद हो चुका है।

इसी प्रकार दूसरा हादसा जलप्रपात में हुआ है, यहां गिरकर डूबने से एक व्यक्ति लापता है।

मौके पर पुलिस की टीम मौजूद है व लापता की खोजबीन के लिए रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, मुंगेली जिले के कुछ लोग यहां पर घूमने के लिए आए थे। पैर फिसलने पर ये घटना हुई है। बता दें कि रानीदहरा जलप्रपात में बारिश के दिनों में सैकड़ों की संख्या में यहां लोग पहुंचते हैं। रविवार को अवकाश होने के कारण यहां ज्यादा भीड़ थी। यह जलप्रपात बोड़ला से चिल्फी नेशनल हाईवे सड़क से करीब 7 किमी अंदर में है। यहां सुरक्षा के कोई ठोस उपाय भी नहीं है। गौर करने की बात है कि यहां हर साल कोई न कोई हादसा हो रहा है, जिसमें मौत हो रही है। बीते साल अगस्त माह में प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव के भांजे की मौत यहां हुई थी। मृतक युवक बेमेतरा का रहने वाला था और अपने दोस्तों संग यहां पिकनिक मनाने पहुंचा था।

मां-माटी-मानुष से लेकर बांग्ला अस्मिता तक

श्रीकंचनपथ

पश्चिम बंगाल में आज शहीदी दिवस मनाया जा रहा है। देश के पश्चिम में जहां मराठी को सम्पर्क भाषा के रूप में थोपने की कोशिशें सुर्खियों में हैं वहीं अब देश के पूर्व में बांग्लाभाषा की अस्मिता का सवाल उछलने लगा है। बांग्ला और हिन्दी फिल्मों की मशहूर अदाकारा मौसमी चटर्जी ने एक बार कहा था कि बंगाली आदमी ज्यादा झमेले में नहीं पड़ना चाहता। ज्यादा खिट-खिट हुआ तो वह माछ-भात खाकर घर में ही सोना पसंद करता है। बंगालियों को अपनी भाषा से कुछ ऐसा ही प्रेम है। सभी को होना चाहिए। मातृभाषा आखिर मातृभाषा होती है। यह आपको अपनी मां से जोड़ती है। पश्चिम बंगाल में यह मुद्दा और भी ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि विभाजन के बाद यहां एक ही भाषा बांग्ला बोलने वालों के बीच में दीवार खड़ी कर दी गई थी। कुछ ऐसा ही पंजाब प्रांत के साथ भी हुआ था जहां पंजाबी बोलने वाले कुछ लोग भारत में तो कुछ पाकिस्तान में चले गये थे। अगर पंजाबी वहां हिन्दू और मुसलमान दोनों की भाषा है तो यही हाल बंगाल का भी है। बंगाल में मुद्दा ज्यादा महत्वपूर्ण इसलिए है कि यह प्रांत भाषा पर अभिमान करता है। वह साहित्य और संस्कृति से ज्यादा करीब से जुड़ा है। खान-पान तो एक है ही। अगर बंगाल में बांग्ला भाषा का मुद्दा जोर पकड़ता है तो तृणमूल को रोक पाना भाजपा के लिए मुश्किल हो सकता है। तृणमूल प्रमुख और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अब तक की राजनीतिक यात्रा को करीब से देखने वालों का मानना है कि भाजपा लाख आरोप लगा ले, ममता के चुनावी आधार को कम करना उसके बस की बात नहीं है। ममता एक आंदोलन से उभरकर नेता बनी थी। पश्चिम बंगाल में 21 जुलाई 1993 को एक आंदोलन हुआ था। तब वे युवा कांग्रेस की अध्यक्ष थीं। राज्य में माकपा की सरकार थी। मुद्दा था चुनाव में मतदाता परिचय पत्र को अनिवार्य बनाने का। पुलिस की गोलीबारी में 13 प्रदर्शकारियों की मौत हो गई थी। प. बंगाल आज इसे शहीदी दिवस के रूप में मना रहा है। इसका एक ही मकसद है कि लोग माकपा राज के उन दिनों को याद करे जब ममता उनके लिए देवी के रूप में प्रकट हुई थीं। पर जब देश में भाजपा की लहर दौड़ चली तो ममता को मुसलमान घोषित करने की कोशिशें भी हुईं, पर बंगाल के लोग न तो अंधे हैं और न पागल। वहां शिक्षा का मतलब केवल डिग्री हासिल करना नहीं है। यही कारण है कि तमाम कोशिशों के बावजूद भाजपा विधानसभा में टीएमसी की 225 सीटों के मुकाबले केवल 65 सीटें ही जुगाड़ पाई। लोकसभा में भी टीएमसी की 29 सीटों के मुकाबले भाजपा के पास केवल 12 सीटें हैं। विधानसभा चुनाव में माकपा और कांग्रेस को शून्य सीटें मिलीं। अगले साल यहां विधानसभा चुनाव हैं। इसलिए 'बांग्ला अस्मिता' को तृणमूल का चुनावी शंखनाद कहा जा सकता है।

संपादकीय

बिना मेहनत का पैसा किस को बुरा लगता है

कई लोगों के लिए सत्ता पैसा कमाने का मौका रहता है, पार्टी के लिए पैसा कमाने का मौका रहता है, अपने लिए पैसा कमाने का मौका रहता है, परिवार के लिए पैसा कमाने का मौका रहता है। बिना मेहनत के लोग करोड़ो रुपए घर आकर दे रहे हैं तो किसको बुरा लगता है। किसी को बुरा नहीं लगता है, आम लोग तो कल्पना करते रह जाते हैं कि करोड़ो रुपए घर पहुंचाकर दे जा रहे हैं तो कैसा लगता होगा। करोड़ो रुपए घर में सुबह शाम आते रहे तो सबको अच्छा लगता है, पूरे परिवार को अच्छा लगता है। सिर्फ अच्छा नहीं लगता है फिर तो जितना पैसा आता है कम लगता है, एक हजार करोड़ आ गया तो लगता है कि दो हजार करोड़ आना चाहिए।

> *पैसे की भूख बढ़ती जाती है। जिसके घर पैसा आता है,वह सोचता है कि इसका पता किसी को नहीं चलेगा। अभी तो हमारी सरकार है,अगले पांच साल भी हमारी सरकार ही रहने वाली है।ऐसा नहीं होता है। भ्रष्टाचार, खुशी व खांसी को छिपाया नहीं जा सकता। पता ही चल जाता है पैसा करोड़ों हो तो चेहरे पर अलग की चमक होती है,आदमी की भाषा बदल जाती है, व्यवहार बदल जाता है, अड़ोस पड़ोस के लोगों को पहले पता चलता है कि इसके घर बहुत पैसा आ रहा है। वह तो परिवार को बरसों से देख रहे हैं, उनका सामान्य व्यवहार जब पैसा नहीं आया था तब कैसा था और अब कैसा हो गया है। जो पैसा लाकर देता है, वह भी तो किसी न किसी को बताता होगा कि आज मैं कितने करोड़ सुबह और कितने करोड़ शाम को पहुंचा के आया है। वह जिनको बताता होगा वह और लोगों को बताते हैं और महीनों व साल में सबको पता चल जाता है कि इस घर में पैसा कहां से आ रहा है। क्यों आ रहा है।*

पार्टी के लोगों को भी धीरे धीरे पता चल जाता है कि सत्ता का उपयोग कर पैसा कौन कितना कमा रहा है। यही वजह है कि अब जो पैसा कमाया जाता है, वह बहुत लोग कमाते है, बहुत लोगों में बंटता है ताकि कोई पार्टी का ही आदमी पार्टी की पोल न खोल दे। लेकिन कितनी भी सावधानी रखने पर लोगों को पता चल ही जाता है कि कितने लोग हैं सिंडीकेट में और कितने सिंडीकेट हैं। बेईमानी का यह पैसा जो सिंडीकेट कमाता है, वह अपने लिए नहीं कमाता है, उसका एक हिस्सा पार्टी को जाता है, एक हिस्सा राज्य के बड़े नेता और उसके परिवार को मिलता है और एक हिस्सा बाकी लोगों में बंटता है। यह भी इतना होता है कि इस पैसे के लिए सरकारी नौकरी करने वाली नौकरी खोने का जोखिम होने पर भी सिंडीकेट जैसा कहता है, वैसा करते हैं। उनकी नौकरी चली भी जाती है तो इतना पैसा उनके पास होता है कि उनको नौकरी करने की जरूरत नहीं रहती।

कई लोग सरकार में रहते कहते हैं कि हमारी सरकार ने जनता की जेब में इतने लाख करोड़ डाला है। यानी वह जनता खुश करने की कोशिश करते हैं कि देखो हमको वोट दोगे तो अगली बार फिर इतने लाख करोड़ हम तुम्हारी जेब में डालेंगे।वह सोचते हैं कि जनता लाख करोड़ रुपए के लालच में फिर उनको वोट देगी लेकिन जनता को जब पता चल जाता है कि कोई पार्टी उसकी सेवा करने के लिए, राज्य के विकास के लिए अपनी पार्टी,परिवार की सेवा के लिए आई है तो वह उसे दूसरे चुनाव में नकार देती है। सत्ता हाथ से जाते हैं कि भ्रष्टाचार की परते खुलने लगती हैं। ऐसे ऐसे चेहरे सामने आते जाते हैं जनता को यकीन नहीं होता है. यह लोग ऐसा भी कर सकते हैं।

एक बार जब जनता पहचान जाती है तो धोखा नहीं खाती है, वह धोखा देने वालों को सबक सिखाती है और जांच एजेंसियां की जांच से पता चलता है कि जनता की जेब में एक दो लाख करोड़ डालने वालों ने अपनी पार्टी व अपने परिवार की जेब में भी हजारों करोड़ डाले है। पैसा आता है तो नेता को कितना अच्छा लगता है, उसके परिवार को भी अच्छा लगता है लेकिन जब ईडी आती है, सीबीआई, आईटी, ईओडब्लू आती है तो बहुत बुरा लगता है। बुरा तो लगना नहीं चाहिए क्योंकि इस देश में ज्यादातर लोग मानते हैं कि आदमी जैसा कर्म करता है वैसा ही उसको फल मिलता है। हमारे यहां माना जाता है कि कर्म फल अटल है, यानी जैसा कर्म किए हो उसका फल आज नहीं तो कल मिलेगा और जरूर मिलेगा।

बिना मेहनत के पैसे से जितना सुख मिला है, उसी पैसे के कारण परिवार को उतना ही दुख मिलेगा, अपयश मिलेगा, लोग सामने नहीं कहेंगे तो पीठ पीछे कहेंगे कि इनके पास जो पैसा है वह मेहनत का पैसा नहीं है, वह हराम का पैसा है। परिवार की आने वाली पीढ़ियों को तकलीफहोगी तो लोग कहेंगे कि हराम के पैसे का खामियाजा एक पीढ़ी नहीं कई पीढ़ी को भुगत रही है। अभी परिवार को दुख हो रहा है कि घर का मुख्यिा जेल में है, अभी पिता को दुख हो रहा है कि उसका बेटा ईडी की हिरासत में है। बहन को दुख हो रहा है कि भाई जेल में है, जमानत नहीं हो रही है। मां को दुख हो रहा है कि बेटा पता नहीं कब जेल से बाहर आएगा। यह दुख नहीं होता यदि परिवार, मां,पिता,बहन,बहनोई को घर में हराम का पैसा आने पर समझाते कि इससे परिवार को बाद में दुख होगा। किसी ने नहीं समझाया, अब नहीं समझाने का परिणाम कई परिवार भुगत रहे हैं।राजनीतिक दल कई राज्यों में भुगत रहे हैं। सपरिवार भ्रष्टाचार का परिणाम तो स्वाभाविक है सपरिवार सजा भी भुगतनी पड़ेगी।

पंच परिवर्तन से बदल जाएगा समाज का चेहरा-मोहरा

इतिहास के चक्र में किसी सांस्कृतिक संगठन के सौ साल की यात्रा साधारण नहीं होती। यह यात्रा बीज से बिरवा और अंततः उसके वटवृक्ष में बदल जाने जैसी है। ऐसे में उस संगठन के भविष्य की यात्रा पर विमर्श होना बहुत स्वाभाविक है। स्वतंत्रता के अमृतकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संकल्प भविष्य के भारत की रचना में सहयोगी बन सकते हैं।अपने शताब्दी वर्ष में संघ ने 'पंच परिवर्तन' का संकल्प लिया है। यह पंच परिवर्तन क्या है? इससे क्या होने वाला है? इसे भी जानना जरूरी है। संघ की मान्यता है कि व्यवस्था परिवर्तन का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब भारत की व्यवस्थाएं 'स्व' पर आधारित हों। 'स्व' आधारित तंत्र बनाना साधारण नहीं है। महात्मा गांधी से लेकर देश के तमाम विचारक और राजनेता 'स्व' की बात करते रहे,किंतु व्यवस्था ने उनके विचारों को अप्रासंगिक बना दिया। समाज परिर्वतन के बिना व्यवस्था परिर्वतन संभव नहीं, इसे भी सब मानते हैं। वैचारिक संभ्रम इसका बहुत बड़ा कारण है। हम आत्मविस्मृति के शिकार और आत्मदैन्य से घिरे हुए समाज हैं। गुलामी के लंबे कालखंड ने इस दैन्य को बहुत गहरा कर दिया है। इससे हम अपना मार्ग भटक गए। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, स्वामी दयानंद सरस्वती, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, बाबा साहब आंबेडकर हमें वह रास्ता बताते हैं जिनपर चलकर हम अपनी कुरीतियों से मुक्त एक सक्षम, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज बन सकते थे। किंतु अंग्रेजों के बाद सत्ता में आए नायकों ने सारा कुछ बिसरा दिया। उस आरंभिक समय में भी दीनदयाल उपाध्याय और डा. राममनोहर लोहिया जैसे नायक भारत की आत्मा में झांकने का प्रयास करते रहे किंतु सत्ता की राजनीति को वे विचार अनुकुल नहीं थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिर्वतन का जो संकल्प लिया है,वह भारत की चिति और उसकी स्मृति को जागृत करने का काम करेगा। राष्ट्रीय चेतना का स्तर बढ़ाने के लिए 1.नागरिक कर्तव्य, 2. स्वदेशी, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4.समरसता, 5.कुटुंब प्रबोधन जैसे पांच संकल्प ही पंच परिवर्तन के सूत्र हैं। इन विषयों में भारत की आत्मा को झकझोरकर जगाने और 'नया भारत' बनाने का संकल्प झलकता है।

नागरिक कर्तव्यबोध से नवचेतन का संचार

किसी भी राष्ट्र और लोकतंत्र की सफलता उसके नागरिकों की सहभागिता और कर्तव्यबोध से ही सार्थक होती है। एक जीवंत लोकतंत्र की गारंटी उसकी नागरिक चेतना ही है। कानूनों की अधिकता और उसे न मानने का मानस दोनों साथ-साथ चलते हैं। अपनी माटी के प्रति प्रेम, उत्कट राष्ट्रभक्ति ही सफल राष्ट्र का आधार है। जापान जैसे देशों का उदाहरण देते समय हमें देखना होगा कि क्या हमारी राष्ट्रीय चेतना और संवेदना वही है जो एक जापानी में है। आखिर क्या कारण है कि अपनी महान परंपराओं, ज्ञान परंपरा के बाद भी हम एक लापरवाह और कुछ मामलों में अराजक समाज में बदलते जा हैं। कानूनों को तोड़ना यहां फैशन है। यहां तक की हम सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और सड़कों पर रेड लाइट का उल्लंधन करने से भी बाज नहीं आते। ये बहुत छोटी बातें लगती हैं, किंतु हैं बहुत बड़ी। चुनावों में शत प्रतिशत मताधिकार तो दूर का सपना है। बहुत शिक्षित शहरों में वोटिंग 50 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पाती। ये सूचनाएं बताती हैं कि हमें अभी जागरूक नागरिक या सजग भारतीय होना शेष है।कानूनों का पालन, कर का समय पर भुगतान, सामाजिक और सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है। एक शानदार समाज की पहचान है कि वह अपने परिवेश को न सिर्फ स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास करता है बल्कि अपने प्रयासों से अन्यों को भी प्रेरित करता है। देखा जाता है कि हममें अधिकार बोध बहुत है किंतु कर्तव्यबोध कई बार कम होता है। जबकि संविधान हमें मौलिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों की भी सीख देता है। हमारे धार्मिक ग्रंथ हमें नागरिकता और सामाजिक आचरण का पाठ पढ़ाते हैं। सवाल यह है कि हम उन्हें अपने जीवन में कितना उतार पाते हैं।

स्वदेशी से बनेगा स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर भारत

पंचपरिवर्तन का दूसरा सूत्र है 'स्वदेशी'। स्वदेशी सिर्फआत्मनिर्भरता का मामला नहीं है यह राष्ट्रीय स्वाभिमान का भी विषय है। अपनी जमीन पर खड़े रहकर विकास की यात्रा ही स्वदेशी का मूलमंत्र है। विनोबा जी कहते थे- स्वदेशी का अर्थ है आत्मनिर्भरता और अहिंसा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसे सादगी से भी जोड़ता है। जिसके मायने हैं मितव्ययिता से जियो, कंजूसी से नहीं। स्वदेशी का सोच बहुत व्यापक है। परिवारों में भाषा, वेशभूषा, भवन, भ्रमण, भजन और भोजन ये छः चीजें हमारी ही होनी चाहिए। हम विदेशी भाषा, बोलें, दुनिया के साथ संवाद करें।

किंतु अपने परिवारों अपनी मातृभाषा का उपयोग करें। विदेशी वस्त्रों से परहेज नहीं किंतु पारिवारिक मंगल आयोजनों और उत्सवों में अपनी वेशभूषा धारण करें। स्वभूषा, उपासना पद्धति, भोजन हमारा होना चाहिए। इसी तरह हम पूरी दुनिया घूमकर आएं किंतु भारत के तपोस्थलों, तीर्थस्थलों, वीरभूमियों तक भी हमारा प्रवास हो। हमारे परिजन जानें की राणा प्रताप कौन हैं और चित्तौड़गढ़ कहां है। शिवाजी कौन थे और रायगढ़ कैसा है। जालियांवालाबाग कहां है। इसी तरह हमारे घर भारतीयता का प्रतिनिधित्व करते हुए दिखने चाहिए। वहां एक भारतीय परिवार रहता है ,यह प्रकट होना चाहिए। महापुरूषों की तस्वीरें। अपनी भाषा में नाम पट्ट और स्वागतम् जैसे उच्चार लिखे हों। परिवारों में हमारी संस्कृति की छाप साफदिखनी चाहिए। तुलसी का पौधा और पूजाघर के साथ, किताबों का एक कोना भी हो जिसमें हमारे धार्मिक ग्रंथ गीता, रामायण, महाभारत आदि अवश्य हों। उनका समय-समय पर पाठ भी परिवार के साथ हो। हमारी जीवनशैली आधुनिक हो किंतु पश्चिमी शैली का अंधानुकरण न हो। परिवार में काम करने वाले सेवकों के प्रति सम्मान की दृष्टि भी जरूरी है। ऐसे अनेक विषय हैं जिन पर विचार होना चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण से होगी जीवन रक्षा

प्रकृति के साथ संवाद और सहजीवन भारत का मूल विचार है। अपनी नदियों, पहाड़ों और पेड़-पौधों में ईश्वर का वास देखने की हमारी संस्कृति और परंपरा रही है। प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना असंभव है। प्रदूषण आज बहुत बड़ी चिंता बन गया है। कुछ भी स्वच्छ नहीं रहा। हवा भी जहरीली है। इसलिए हमें अपने भारतीय विचारों पर वापसी करनी ही होगी। प्रकृति और पर्यावरण के साथ सार्थक संवाद ही हमें बचा पाएगा। ग्लोबल वार्मिंग जैसी चिंताएं हमारे सामने चुनौती की तरह हैं। पानी, बिजली को बचाना, प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के साथ वाहनों का संयमित उपयोग जरूरी है। एयरकंडीशनर का न्यूनतम उपयोग, वनों और जंगलों की रक्षा जैसे अनेक प्रयासों से हम सुंदर दुनिया बना सकते हैं। घरों में पेड़-पौधे लगाएं और हरित घर का संकल्प लें। सच तो यह है कि अगर हम पर्यावरण की रक्षा करेंगें तो वह हमारी रक्षा करेगा।

सामाजिक समरसता से बनेगी सुंदर दुनिया

सामाजिक समरसता के बिना कोई भी राष्ट्र अग्रणी नहीं बन सकता। गुरु घासीदास कहते हैं- मनखे-मनखे एक हैं। किंतु जातिवाद ने इस भेद को गहरा किया है। तमाम प्रयासों के बाद भी आज भी हम इस रोग से मुक्त नहीं हो सके हैं। भेदभाव ने हमारे समाज को विभाजित कर रखा है, जिसके चलते दुनिया में हमारी छवि ऐसी बनाई जाती है कि हम अपने ही लोगों से मानवीय व्यवहार नहीं करते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे- अस्पृश्यता ईश्वर और मानवता के प्रति अपराध है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक रहे पू. बालासाहब देवरस ने इस संकट को रेखांकित करते हुए बसंत व्याख्यानमाला में कहा था कि- अगर छूआछूत गलत नहीं है दुनिया में कुछ भी गलत नहीं है, इसे मूल से नष्ट कर देना चाहिए। ऐसे में हमें यह समझना होगा कि जो कुछ भी सैकड़ों सालों से परंपरा के नाम पर चल रहा है वह हमारा धर्म नहीं है। इतिहास में हुए इन पृष्ठों का कोई भी सभ्य समाज समर्थन नहीं कर सकता। जबकि हमारे धर्म ग्रंथ और शास्त्र इससे अलग हैं। हमारे ऋषि और ग्रंथों के रचयिता सभी वर्गों से हैं। भगवान बाल्मीकि और वेद व्यास इसी परंपरा से आते हैं। यानि यह भेद शास्त्र आधारित नहीं है। यह विकृति है। इससे मुक्ति जरूरी है।हमें इसके सचेतन प्रयास करते हुए अपने आचरण, व्यवहार और वाणी से समरसता का अग्रदूत बनना होगा। सभी समाजों और वर्गों से संवाद और सहकार बनाकर हम एक आदर्श समाज की रचना में सहयोगी हो सकते हैं। इससे समाज का सशक्तिकरण भी होगा। समानता का व्यवहार, वाणी संयम, परस्पर सहयोग, संवेदनशीलता से हम दूरियों को घटा सकते हैं और भ्रम के जाले साफकर सकते हैं। साथ ही अपने गांव, नगर के मंदिर, जलश्रोत, श्मशान सबके लिए समान रूप से खुल होने ही चाहिए। इसमें कोई भी भेद नहीं होना चाहिए।

हमारी शक्ति है 'कुटुंब'

आज का सबसे बड़ा संकट कुटुंब का बिखराव है। एकल परिवारों में बंटते जाना और अकेले होते जाना इस समय की त्रासदी है। जबकि कल्याणकारी कुटुंब वह है जहां सब संरक्षण, स्नेह और संवेदना के सूत्र में बंधे होते हैं। जहां बालकों को प्यार और शिक्षा, वयस्कों को सम्मान और बुजुर्गों को सम्मान और सेवा मिलती है। परिवार हमारी शक्ति बनें इसके लिए पंच परिवर्तन का बड़ा मंत्र है- कुटुंब प्रबोधन। कुटुंब की एक परंपरा होती है। हम उसे आगे बढ़ाते हैं और संरक्षित करते हैं। मूल्यआधारित जीवन इससे ही संभव होता है। परिवार के मूल्यों से ही बच्चों को संस्कार आते हैं और वे सीखते हैं। जैसे देखते हैं वैसा ही आचरण करते हैं।कुटुंब दरअसर रिश्तों का विस्तार है। जिसमें पति-पत्नी और बच्चों के अलावा हमारे सगे-संबंधी भी शामिल हैं। उनके सुख में सुख पाना, दुख में दुखी होना और उन्हें संबल देना हमें मनुष्य बनाता है। इसके लिए बच्चों के साथ-साथ रिश्तों को समय देना जरूरी है। औपचारिक और अनौपचारिक रुप से कार्यक्रमों, खान-पान, उत्सवों के माध्यमों से ये रिश्ते दृढ़ होते जाएं यह बहुत जरूरी है।

पंच परिवर्तन के साधारण दिखने वाले सूत्रों में ही भारत की आत्मा के दर्शन होते हैं। इन सूत्रों को अपनाकर हम एक सुंदर बनाने की दिशा में बड़ा काम कर सकते हैं। संघ की शताब्दी वर्ष में लिए गए ये संकल्प हमें एक समाज और राष्ट्र के रूप में संबल देने का काम करेगें इसमें दो राय नहीं है। 22 जनवरी,2024 को अयोध्या में राममंदिर में भगवान की प्राणप्रतिष्ठा के बाद राम राज्य की ओर हम बढ़ चले हैं। राम राज्य के मूल्य हमारे जीवन में आएं। परिवारों में आएं। इससे एक सबल, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भारत बनेगा। आचरण की शुचिता से आए परिर्वतन ही स्थाई होते हैं। इससे ही हमारे मन में राम रमेंगें और देश में रामराज्य आएगा।

सरकार के नीतिगत फैसलों ने बढ़ाया छत्तीसगढ़ के किसानों का मान

डॉ. ओम डहरिया, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार के नीतिगत फैसलों एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के किसान खुशहाल हैं। इन नीतियों से प्रदेश के किसान निरंतर समृद्धि की ओर अग्रसर हो रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में राज्य में सरकार बनते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए प्रदेश के पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल 31 सौ रूपए प्रति क्विंटल की मान से धान खरीदी कर न सिर्फकिसानों का मान बढ़ाया बल्कि किसानों को उन्नति की ओर ले जाने में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। राज्य सरकार ने बीते 18 महीने में विभिन्न योजनाओं के तहत् लगभग सवा लाख करोड़ रूपए किसानों के खाते में अंतरित की है। इन कल्याणकारी फैसलों और प्रोत्साहन से साल दर साल किसानों की संख्या, खेती-किसानी का रकबा और उत्पादन में वृद्धि हो रही है।

बता दें कि देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री श्री साथ के नेतृत्त्व में प्रदेश सरकार की इन डेढ़ साल की अवधि में किसानों के हित में लिए गए नीति गत फैसलों से खेती-किसानी की नया सम्बल मिला है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने किसानों से बीते खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में सर्वाधिक 24.75 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर 144.92 लाख मेट्रिक टन धान की खरीदी कर एक नया रिकार्ड कायम किया है। किसानों को समर्थन मूल्य के रूप में 32 हजार करोड रूपए का भुगतान एवं किसान समृद्धि योजना के माध्यम से मूल्य की अंतर की राशि 13,320 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया था। इसी तरह खरीफविपणन वर्ष 2024-25 में प्रदेश के किसानों से रिकार्ड 149.25 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी गई और धान खरीदी के एवज में किसानों को 34,500 करोड़ रूपए का तत्काल भुगतान किया गया तथा 12 हजार करोड़ रूपए की अंतर की राशि एकमुश्त सीधे किसानों के खातों में अंतरित किया गया।

राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वायदे को पूरा कर यह बता दिया है कि छत्तीसगढ़ की खुशहाली और अर्थव्यवस्था को सुदृढ करने का रास्ता खेती-किसानी से ही निकलेगा। राज्य सरकार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी के साथ ही दो साल के बकाया धान बोनस की राशि 3716 करोड रूपए का भुगतान करके अपना संकल्प पूरा किया, इससे प्रदेश के किसानों में खुशी की लहर है। किसानो का मानना है कि राज्य सरकार के फैसलों से यह स्पष्ट हो गया है कि सरकार किसानों की हितैषी है। खेती-किसानी ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। कृषि के क्षेत्र में सम्पन्नता से ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और विकसित राज्य बनाने का सपना साकार होगा।

छत्तीसगढ़ में किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर अल्पकालीन कृषि ऋण 01 अप्रैल 2014 से उपलब्ध कराया जा रहा है। ऋण की अधिकतम सीमा 5 लाख रूपए तक है। फसल ऋण में नगद एवं वस्तु का अनुपात 60 अनुपात 40 है। सहकारी एवं ग्रामीण बैंकों से ब्याज मुक्त कृषि ऋण उपलब्ध कराने के लिए खरीफ वर्ष 2024 में 15.21 लाख किसानों को 6912 करोड़ रुपए का अल्पकालीन कृषि ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर वितरित किया गया था। वर्ष 2025 में किसानों को 7800 करोड़ रूपए कृषि ऋण वितरित करने का लक्ष्य है। किसानों को 11 जुलाई की स्थिति में 5124 करोड़ रुपए कृषि ऋण वितरित किए गए हैं। यह किसानों के हित में क्रांतिकारी कदम है। छत्तीसगढ़ में किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री सिंचाई योजना लागू की गई है। सौर सुजला योजना के माध्यम से सरकार ने दूरस्थ वनांचल में जहां बिजली की सुविधा नहीं है, वहां किसानों के खेतों में भी इस योजना के माध्यम से सौर सुजला सिंचाई पंप स्थापित कर सिंचाई की व्यवस्था की गई है। छत्तीसगढ़ में किसानों एवं भूमिहीन मजदूरों की स्थिति में सुधार, कृषि एवं सहायक गतिविधियां के लिए समन्वित प्रयास पर राज्य सरकार का फोकस है।

कृषि विभाग के बजट में बीते वर्ष की तुलना में वर्ष 2024-25 में 33 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 13 हजार 435 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान है, इसलिए राज्य के बजट में भी कृषि के साथ-साथ ग्रामीण विकास को फोकस किया गया है। यहां धान और किसान एक-दूसरे के पर्याय है। पिछले वर्ष 149.25 लाख मीट्रिक टन धान समर्थन मूल्य पर राज्य के 25 लाख 48 हजार 798 किसानों से खरीदी की गई है।

राज्य सरकार ने बजट में कृषक उन्नति योजना के लिए 10,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया, जिसका उद्देश्य कृषि समृद्धि को बढ़ावा देना है। वहीं किसानों के 5 एचपी तक के कृषि पंपों को मुफ्त बिजली आपूर्ति के लिए 3,500 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। इसी तरह भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत राज्य के 5.65 लाख भूमिहीन मजदूरों को सालाना 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके लिए 600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही दलहन एवं तिलहन फसलों समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए 80 करोड़ रुपये तथा फसल बीमा योजना के लिए 750 करोड़ रुपये और मोटे अनाजों के साथ-साथ दलहन, तिलहन, बीज उत्पादन एवं वितरण के लिए कृषक समग्र विकास योजना के लिए 150 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह सरकार की किसान हितैषी नियत को दर्शाता है। केन्द्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के 26 लाख से ज्यादा किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का भी लाभ मिल रहा है। इस योजना में किसानों को तीन किश्तों में साल में 6 हजार रूपए की राशि केन्द्र सरकार के द्वारा सीधे किसानों के बैंक खातों में दी जा रही है। केन्द्र सरकार ने छत्तीसगढ़ में धान के विपुल उत्पादन को देखते हुए केन्द्रीय पूल में 78 लाख मीट्रिक टन चावल जमा करने का लक्ष्य दिया है।

क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है?

बिहार में एक बार फिर कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफअपराधियों का आतंक, दिन-दहाड़े हत्याएं, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफबढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि 'सुशासन बाबू' के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तब्दील हो रहा है? क्योंकि व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला-बारूद की व्यापक उपलब्धता को जिम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतूके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिन्ताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून-व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, एक 60 वर्षीय महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है।

बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के 'जंगलराज' की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं हैं। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है।' हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार-बार हो रही हैं, यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा।

पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं, आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है। हाल ही में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुई हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या, बलात्कार, अपहरण, और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है।

एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू-राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? बिहार में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक बाजीगरी में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिला है। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा 'जंगलराज' के तौर पर पेश किया। लेकिन, अब वही सवाल पलट कर उनकी ओर आ रहे हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिन्ता एवं चेतावनी का सबब बनना ही चाहिए। बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा, तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है, जबकि भाजपा और जदयू रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं और इन घटनाओं को योजनागत घटनाओं का नाम देकर राजद सरकार के समय की आपराधिक घटनाओं के साथ तुलना कर रहे हैं। मगर सूत्रों की माने तो पार्टी इस बात को लेकर तैयारी जरूर कर रही कि, यदि यह मुद्दा संसद के आगामी सत्र में विपक्ष उठाती है तो उस पर कैसे जवाब देना है? जिस बिहार के पूर्ववर्ती सरकारों के कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति को मुख्य मुद्दा बनाकर एनडीए सरकार सत्ता में आई थी अब यही मुद्दा विपक्ष के हाथ लग गया है। बिहार की जनता बदलाव चाहती है। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर ठोस कदम चाहिए, न कि केवल वादों की झड़ी। विपक्ष इस समय सरकार को घेरने के लिए पूरी तैयारी में है और 'बदहाल कानून-व्यवस्था' को मुख्य चुनावी मुद्दा बना रहा है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

विकास कार्यों की स्वीकृति पर महापौर ने मंत्री साव का जताया आभार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार ने शहर के विकास कार्यों के लिए स्वीकृत राशि को लेकर उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया। महापौर ने एमआईसी सदस्यों और पार्षदों के साथ मंत्री साव के निवास पर सौजन्य भेंट कर नगर के प्रति उनकी संवेदनशीलता और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। महापौर ने कहा कि मंत्री साव द्वारा दिए गए सहयोग से शहर के अधूरे कार्यों को गति मिलेगी और आम नागरिकों को शीघ्र सुविधाएं प्राप्त होंगी। इस अवसर पर महापौर बाघमार ने मंत्री साव की धर्मपत्नी मीना साव से भी शिष्टाचार भेंट कर उन्हें आगामी 2 एवं 3 अगस्त को आयोजित दो दिवसीय सावन महा-उत्सव में सादर आमंत्रित किया। महापौर ने कहा कि राज्य सरकार के निरंतर सहयोग से नगर निगम नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास कर रहा है, और निकट भविष्य में शहर की तस्वीर और अधिक निखरेगी।

जीवन निर्माण में संस्कारों का विशेष महत्व : मुनि विराटसागर जी

दुर्ग। नवकार भवन, ऋषभ नगर दुर्ग में सहजानंदी वर्षावास गति पर है। जनमेदनी की अभूतपूर्व उपस्थिति और हर्षोल्लास के साथ आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को प.पू. मुनि श्री विराटसागर जी मसा ने जीवन निर्माण में संस्कारों की भूमिका विषय पर प्रेरक प्रवचन दिया। गुरुदेव ने अपने व्याख्यान में गर्भ संस्कार, गृह संस्कार, सहन संस्कार एवं भय संस्कार जैसे विविध पहलुओं को उदाहरण सहित समझाया। उन्होंने कहा कि हमारा जीवन तीन पृष्ठों की एक पुस्तक के समान है — बचपन भूमिका है, युवावस्था मूल भाग और वृद्धावस्था उसका उपसंहार। यदि हम इन तीनों को सुंदरता से जी लें, तो हमारा जीवन सफल माना जाएगा। गुरुदेव ने श्रद्धालुओं को अगले सप्ताह तक परिवार का संविधान बनाकर लाने का गृहकार्य भी दिया, जिससे जीवन में अनुशासन और सामंजस्य स्थापित हो। प्रवचन सत्र के पश्चात दिनभर विभिन्न आयु वर्ग के लिए प्रेरणादायक सत्र आयोजित किए गए। प्रात: 11 बजे 18 वर्ष से ऊपर के युवक-युवतियों के लिए विशेष सत्र हुआ, जिसमें 200 से अधिक युवाओं ने भाग लिया। इस दौरान मुनिश्री ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा, अपने अंदर के अवरोध तोड़ो, आत्मविश्लेषण करो और आत्मबल को पहचानो। वहीं, सायं 4 बजे 12 से 18 वर्ष तक के किशोरों को जैन शासन के विभिन्न सोपानों से अवगत कराया गया।

प्रधानमंत्री मोदी तक पहुंचाएंगे माता कौशल्या की जन्मभूमि 'कोसला' का महत्व: सांसद बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। साहित्य, कला, संस्कृति की बहुआयामी संस्था 'चिन्हारी' के रजत जयंती वर्ष पर रविवार को आयोजित समारोह माता कौशल्या की जन्मभूमि 'कोसला' के महत्व पर केंद्रित रहा। बिलासपुर जिले में मल्हार के पास स्थित 'कोसला' से भिलाई पहुंचे 200 से ज्यादा निवासियों और अंचल के बुद्धिजीवी वर्ग के बीच मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने घोषणा की कि माता कौशल्या की जन्मभूमि के रूप में 'कोसला' गांव को महत्व दिलाने हर संभव प्रयास करेंगे। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर इस समूचे 'कोसला' गांव क्षेत्र का विकास केंद्र सरकार की 'प्रसादम' योजना के अंतर्गत करवाने निवेदन करेंगे।

आई.सी.ए.आई. भवन अपेक्स बैंक के बाजू सिविक सेंटर में हुए इस आयोजन में शुरूआत में सभी अतिथियों का सम्मान गुलदस्ता धान की झालर के साथ किया गया। कार्यक्रम शुरू होने से पहले रामचरितमानस की चौपाइयां प्रस्तुत की गई। अपने स्वागत उद्बोधन में संयोजक और बहुआयामी संस्था चिन्हारी के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद पारकर ने राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में एमए छत्तीसगढ़ी पाठ्यक्रम शुरू करवाए जाने के प्रयासों का विशेष रूप से उल्लेख किया।

उन्होंने मात कौशल्या की जन्मभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि यह हम सब का गौरव है कि हमारे छत्तीसगढ़ के 'कोसला' गांव की मान्यता जनश्रुतियों से लेकर ऐतिहासिक दस्तावेजों तक में माता कौशल्या की जन्मभूमि को लेकर है। उन्होंने कोसला गांव से आए लोगों का विशेष रूप से सम्मान करते हुए कहा कि आज इस तथ्य को देश और दुनिया के सामने लाने की जरूरत है।

आयोजन में हाल ही में ब्राजील में संपन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने पर दुर्ग सांसद विजय बघेल को चिन्हारी सम्मान-2025 से विभूषित किया गया और कार्यक्रम के संयोजक 'चिन्हारी' साहित्य समिति के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद पारकर के संपादन में प्रकाशित पुस्तक 'माता कौसल्या जन्मभूमि कोसला' का विमोचन समस्त अतिथियों ने किया।

सांसद विजय बघेल ने इस दौरान सम्मान के लिए आयोजकों का आभार जताते हुए कहा कि माता कौसल्या का अटूट संबंध दक्षिण कोसल एवं उत्तर कोसल दोनों से रहा है। उन्होंने कहा कि जिस मां ने भगवान राम को जन्म दिया उनके जन्म स्थान का महत्व भी दुनिया को पता चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह छत्तीसगढ़ के समस्त सांसदों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे और उन्हें तमाम तथ्यों से अवगत कराएंगे। उन्होंने कहा कि तीर्थ स्थलों के विकास और पहचान के लिए केंद्र सरकार की 'प्रसादम' योजना में 'कोसला' गांव का विकास कराने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध करेंगे। विशिष्ट अतिथि दुर्ग महापौर अल्का बाघमार ने कहा कि माता कौशल्या का भव्य मंदिर उनकी जन्मभूमि 'कोसला' गांव में जरूर बनना चाहिए। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम महाविद्यालय बिलासपुर हिन्दी विभाग डॉ. राजकुमार सचदेव और विभागाध्यक्ष राजनीति शास्त्र प्रो. ब्रजकिशोर त्रिपाठी ने भी अपनी बात रखी।

आयोजन में श्रीराम की माता कौशल्या की जन्मभूमि कोसला पर अकादमिक शोधपत्र पढ़े गए। इनमें पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर हिन्दी अध्ययन मंडल के पूर्व अध्यक्ष डॉ. राजेश श्रीवास का वक्तव्य 'लोक जीवन में कौशल्या' विषय पर, भारती विश्वविद्यालय दुर्ग की छत्तीसगढ़ी-हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. विद्यावती चन्द्राकर का वक्तव्य 'माता कौशल्या की जन्मभूमि कोसला की पौराणिक मान्यताएं' विषय पर और शिवरीनारायण के इतिहासकार डॉ. शांति कुमार कैवर्त का वक्तव्य 'कोसला का ऐतिहासिक सत्यान्वेषण' विषय पर हुआ।

सम्मान निधि, नारियल और वस्त्र भेंट कर किया अतिथियों का सम्मान

आयोजन में अनुरोध पत्र का वचन मेनका वर्मा ने किया। वहीं चिन्हारी सम्मान से विभूषित सांसद विजय बघेल के सम्मान पत्र का वचन डॉक्टर सोनाली चक्रवर्ती ने किया और जीवन परिचय का वचन कालेश्वर प्रसाद निषाद ने किया। इस अवसर पर समस्त अतिथियों को सम्मान निधि, नारियल और वस्त्र भेंट कर चिन्हारी परिवार की ओर से सम्मानित किया गया। अतिथियों का स्वागत मुख्य रूप से डुमन लाल ध्रुव, मनीष यादव, कुलेश्वर प्रसाद निषाद, शैलेंद्र शिंदे, केतन पारकर, ध्रुपद निषाद, रिखी क्षत्रिय, पवन निषाद, गमलियाल ग्राहम, भारत राणा, महेंद्र भक्ता, हर्ष देवांगन, बद्री कैवर्त, डीपी देशमुख, मुकुंद पारकर, शैलेंद्र पारकर और पारस कैवर्त्त सहित अन्य लोगों ने किया। मंच संचालन डॉक्टर गणेश कौशिक ने किया और आभार प्रदर्शन डुमनलाल ध्रुव धमतरी में व्यक्त किया।

शिक्षण सामग्री का उपहार पाकर खिल उठे दिव्यांग बच्चों के चेहरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल करते हुए सामाजिक संगठन गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन ने विशेष आवश्यकता वर्ग वाले बच्चों को नि:शुल्क स्कूल बैग, नोटबुक और पेन का वितरण किया। शिक्षण सामग्री मिलने पर विशेष बच्चों के चेहरे खिल उठे और सभी ने अपनी पढ़ाई पूरी करने का वादा किया।

विवेकानंद सभागार, दुर्ग में आयोजित इस कार्यक्रम में बौद्धिक दिव्यांग, श्रवण बाधित, अस्थिबाधित, अल्प दृष्टि बाधित, मस्तिष्क पक्षाघात और सीखने की क्षमता में कमी से प्रभावित बच्चे लाभान्वित हुए। फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य इन विशेष बच्चों को शिक्षा में समान अवसर देना और उनके आत्मविश्वास को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्यों के माध्यम से शिक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता निभाता रहेगा।

जीई फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए समग्र शिक्षा से जिला परियोजना समन्वयक सुरेंद्र पांडेय ने कहा कि समावेशी शिक्षा को मजबूती देने की दिशा में यह एक सराहनीय प्रयास है, जिससे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा प्रणाली से जोड़ने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज इन बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और आत्मविश्वास की झलक इस बात का प्रमाण है कि यदि सही सहयोग और संसाधन मिलें, तो हर बच्चा अपनी क्षमताओं को पूरी तरह विकसित कर सकता है।

कार्यक्रम में सहायक समन्वयक आई.के रामटेके, यूआरसी-श्रीमती किरण चंदवानी, बीआरसी श्रवण कुमार सिन्हा, चन्द्र किरण दुबे, पुष्पा भट्टाचार्य, खुमति उईके, इतिदास गुप्ता, माया डोमरे, दुर्गा साहू और उत्तम चंद्रवंशी तथा जीई फाउंडेशन से सुरुचि टावरी, अनुपमा मेश्राम, मोनिका सिंह, विशाखा मनगुड़े, प्रकाश देशमुख व अजीत सिंह सहित शिक्षकों, अभिभावकों और सामाजिक संगठनों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने प्रतिभावान छात्र-छात्राओं किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने अपने निवास स्थान पर ग्राम कोकड़ी के 10 वीं एवं 12 वीं में अच्छे अंको से पास होने वाले छात्र दीपेश कुमार साहू कक्षा 10वीं 97 प्रतिशत दुर्ग जिला में 9वाँ स्थान, कु. लोकेश्वरी साहू कक्षा दसवीं 92.3प्रतिशत, कु. ऐश्वर्या निषाद कक्षा दसवीं 94 प्रतिशत, कु.भूमिका साहू कक्षा 12वीं 89 प्रतिशत (साइंस), कु. खुशी निषाद कक्षा 12 वीं 83.6त्न (कॉमर्स) के छात्र - छात्रों से मुलाकात कर उनका साल व श्रीफल से सम्मान कर उनका मनोबल बढ़ाया। और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। इस दौरान विधायक चंद्राकर ने कहा कि कोई भी लक्ष्य मनुष्य के साहस से बड़ा नहीं, हारा वही है जो लड़ा नहीं - यह एक लोकप्रिय कहावत है जो बताती है कि कोई भी लक्ष्य मनुष्य की इच्छाशक्ति और साहस से बढ़कर नहीं है। जो व्यक्ति प्रयास करना नहीं छोड़ता, वही सफलता प्राप्त करता है। आप सभी अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए खूब मन लगाकर पढ़ाई करो और आपको जो बनना है उस मुकाम को हासिल करो और क्षेत्र का नाम रौशन करो।

गोधन को दुर्घटना से बचाने रिसाली ने चलाया अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। बारिश में सड़क पर बैठी मवेशियों से होने वाली दुर्घटना से बचने नगर पालिक निगम ने रविवार को अभियान चलाया। आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्देश पर दर्जन भर मवेशियों को पकड़ा इस कार्य में 8 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

बारिश के समय गो धन अक्सर सड़क के बीच में बैठ जाती है। गई बार बारिश की वजह से स्ट्रीट लाइट बंद भी रहती है। सड़क पर मवेशी होने से दुर्घटनाएं भी लगातार हो रही है। यही वजह है कि रिसाली आयुक्त के निर्देश पर निगम कर्मचारियों ने मुख्य मार्गो से गाय, बैल व बछड़े को पकड़ कर अवरुद्ध मार्ग को ठीक किया ।

इसके अलावा दर्जन भर मवेशियों को सड़क से खदेड़ा। आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्देश पर निगम कर्मचारी दशहरा मैदान में एकत्र हुए। इसके बाद बीएसपी मार्केट रिसाली और टाउनशिप के सड़कों पर बैठी मवेशियों को हटाया। बाद में कृष्णा टॉकीज रोड से धनोरा रेलवे फाटक पर बैठी मवेशी को कर्मचारियों ने पकड़ा।

बीएसपी में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन हेतु 'एआई रेडीनेस' प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा डिजिटल युग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 18 जुलाई 2025 को बीएमडीसी सेक्टर-7 में स्मेल्टिंग चेंज: एआई रेडीनेस फॉर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन नामक एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गयी।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यपालकों को जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , क्लाउड कंप्यूटिंग और बेसिक डेटा एनालिटिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों में व्यावहारिक कौशल से सुसज्जित करना है, ताकि कार्यस्थल पर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को गति दी जा सके। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक समीर गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में संगठन में डिजिटल तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता एवं उससे होने वाले लाभों पर प्रकाश डाला।

महाप्रबंधक प्रभारी एवं विभागाध्यक्ष एस. के. श्रीवास्तव इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम को स्वीकृति प्रदान करने एवं इसके मार्गदर्शन में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अपने वक्तव्य में भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम संगठन को दीर्घकालिक रूप से लाभान्वित करेंगे।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महाप्रबंधक सौरभ वार्ष्णेय, के मार्गदर्शन में तैयार किया गया। उन्होंने इस अवसर पर जेन-एआई-बीएसपी गुगल स्पेस से भी प्रतिभागियों को अवगत करवाया, जो उन्हें निरंतर डिजिटल सहयोग और सीखने के लिए एक समर्पित मंच प्रदान करेगा। कार्यक्रम का समन्वय और प्रशिक्षण का दायित्व सहायक प्रबंधक जोजन जोस ने निभाया। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ प्रशिक्षण की विषयवस्तु साझा करते हुए बताया कि कार्यक्रम में जागरूकता सत्रों के साथ-साथ एआई स्टूडियो, गामा.एआई, नोटबुक एलएम, तथा पाईथन आधारित पीवाई चार्म एवं गुगल कोलैब जैसे टूल्स पर व्यावहारिक

रिटायर कर्मियों ने कहा- विपरीत परिस्थितियों में सेक्टर-6 सोसाइटी ने दिया संबल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मियों की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-6 में एक आयोजन में सोसाइटी के माह जून या उसके पूर्व सेवानिवृत्त हुए बीएसपी के सदस्य कर्मियों को विदाई दी गई। सोसाइटी के अध्यक्ष बृजबिहारी मिश्र व अन्य पदाधिकारियों ने इन सदस्य कर्मियों को शॉल/श्रीफल और उनकी जमा पूंजी का चेक देकर सम्मानित किया।

इस दौरान रिटायर कर्मियों का स्वागत करते हुए अध्यक्ष बृजबिहारी मिश्र ने कहा कि सोसाइटी की साख हमारे वरिष्ठ कर्मियों की मेहनत का नतीजा है। इसे बरकरार रखना हम सबका दायित्व है। इस दौरान रिटायर हुए कर्मियों में ओमप्रकाश शर्मा,मिकाइल और डीपी वर्मा सहित कई अन्य ने अपने विचार रखते हुए भिलाई स्टील प्लांट तथा इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-6 के साथ जुड़ी यादों को साझा किया। इन रिटायर कर्मियों ने विशेष रूप से इस तथ्य को रेखांकित किया कि विपरीत परिस्थितियों में किस तरह सोसाइटी के ऋण से राह आसान हुई और एक बड़ा संबल मिला।

इन रिटायर होने वाले कर्मियों में फायर ब्रिगेड से कृष्णकुमार,दल्ली राजहरा से अजीत कुमार,दीनदयाल वर्मा,ट्रांसपोर्ट एंड डीजल ऑर्गेनाइजेशन से सिम्हाचलम, रामचंद्र साहू,प्लांट गैरेज से सुरजीत सिंह,मंगल सिंह वर्मा,पोखन ठाकुर, दामोदरन,जनरल एस्टेब्लिशमेंट से पीके राव,प्यारेलाल,सीएच पूर्णचंद्रा राव,टुमन कुमार चतुर्वेदी, ऑक्सीजन प्लांट-2 से उत्तम कुमार, ओमप्रकाश,रावघाट माइंस से सूर्य प्रसाद मंडावी,एलडीसीपी से उत्तम कुमार नायक,एमएसजी से डीपी वर्मा,मर्चेंट एंड वायर रॉड मिल से संतन पटेल,रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से मदनलाल,मोहम्मद सलीम,सिंटर प्लांट-2 से महेश कुमार,युगल किशोर,आरटी एंड आर शॉप से मोहनलाल,कोक ओवन एंड कोल केमिकल विभाग से वेदराम नीलकमल,के पोट्टैया,पवन कुमार सोनी,देवलाल,शिक्षा विभाग से असिम कुमार,प्लेट मिल से सुभाष चंद्र वर्मा,पोखनलाल,मिकाइल, मशीन असेंबलिंग एंड री-इंजीनियरिंग शॉप (मार्स)से तिलकपुरी गोस्वामी,रिसर्च एंड कंट्रोल लैब से हरिओम प्रकाश, लाइजनिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन से सुभाषभाई पटेल,ब्लास्ट फर्नेस से सकतराम,रामकिशन साहू,पुनीराम साहू,स्टील मेल्टिंग शॉप-2 से राजेंद्र कुमार,केदार सिंह और टाउनशिप इलेक्ट्रिकल एंड इंजीनियरिंग विभाग से जयप्रकाश पांडेय शामिल हैं।

इस अवसर पर संचालक मंडल की उपाध्यक्ष श्रीमती इंदरजीत कौर व अमिताभ वर्मा सहित सदस्य हरिराम यादव,जे के गहिने,विनोद कुमार वासनिक,कुलेश्वर चंद्राकर,श्रीमती नीरजा शर्मा और पवन कुमार साहू सहित कई अन्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक एम मुरलीधर और आभार संचालक मंडल के सदस्य विनोद कुमार वासनिक ने व्यक्त किया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

खमतराई बाजार में बड़ा बदलावः 18 दुकानें नए छोटे सब्जी बाजार में शिफ्ट की गईं

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर जोन 1 जोन कमिश्नर डॉक्टर दिव्या चंद्रवंशी एवं कार्यपालन अभियंता डीके पैकरा सहित अन्य सम्बंधित जोन 1 अधिकारियों की उपस्थिति में जोन 1 अंतर्गत खमतराई बाजार में अभियान चलाकर मार्ग के दूसरे ओर 18 दुकानों को खमतराई बाजार से छोटा सब्जी बाजार खमतराई में शिफ्ट किया गया. खमतराई बाजार से मछली दुकानों को निर्धारित चिन्हित स्थान पर शिफ्ट करने अभियान के अंतर्गत पुलिस थाना बल की उपस्थिति में कार्यवाही की गयी। अभियान के दौरान स्थल पर नगर निगम जोन 1 जोन अध्यक्ष गज्जू साहू की उपस्थिति रही।

रायपुर में कौशल तिहार 2025 का आयोजन शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा दिनांक 21 जुलाई 2025 से 23 जुलाई 2025 तक कौशल तिहार 2025 का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कौशल प्रशिक्षित एवं प्रशिक्षणरत युवाओं को प्रोत्साहित करना तथा प्रतियोगिताओं के माध्यम से उनके कौशल का प्रदर्शन करना है। विभागीय अधिकारी ने बताया कि प्रतियोगिताओं का आयोजन राज्य एवं जिला स्तर पर दो आयु वर्गों में किया जाएगा :- 22 वर्ष से कम आयु वर्ग एवं 22 से 45 वर्ष के मध्य आयु वर्ग में आयोजित किया जाएगा 7 जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु चयनित किया जाएगा। राज्य स्तर पर प्रतियोगिता में विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं मेडल प्रदान किए जाएंगे। साथ ही, उन्हें विश्व कौशल प्रतियोगिता, शंघाई 2026 में देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर भी मिल सकता है।

जिले स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन निम्नानुसार किया जाएगा :- ग्रीन एनर्जी सेक्टर-आज लाइवलीहुड कॉलेज, जोरा में होगा। प्लंबिंग एवं इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन सेक्टर - दिनांक 22 जुलाई 2025 को माडल आईटीआई, सड्डू में होगा । हेल्थ एवं सोशल केयर सेक्टर ङ्क दिनांक 23 जुलाई 2025 को निजी प्रशिक्षण संस्थान मेनचेस्टर टेक्नोलॉजी, सेजबहार, रायपुर में होगा । डीटीपी सेक्टर ङ्क दिनांक 23 जुलाई 2025 को निजी प्रशिक्षण संस्थान वीनस कंप्यूटर, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर में होगा। सभी प्रतियोगिताएं प्रातः 10:00 बजे से प्रारंभ होंगी।

जनधन से लेकर बीमा योजनाओं में मिली उल्लेखनीय प्रगति : सिन्हा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के अंतर्गत बीते 18 दिनों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। 1 जुलाई से प्रारंभ इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत राज्य में अब तक कुल 1843 शिविरों का सफल आयोजन किया गया है, जिनके माध्यम से 5487 नए प्रधानमंत्री जनधन खाते खोले गए हैं, 7681 नागरिकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में तथा 10706 नागरिकों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में पंजीकृत किया गया है। इसके साथ ही 2222 नागरिकों को अटल पेंशन योजना से जोड़ा गया है, 3877 निष्क्रिय जनधन खातों का पुनः केवाईसी कर उन्हें सक्रिय किया गया है तथा 1889 खातों में नामांकन (नॉमिनेशन) दर्ज किए गए हैं।

यह जानकारी भारतीय स्टेट बैंक के उप महाप्रबंधक एवं राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, छत्तीसगढ़ के संयोजक राकेश कुमार सिन्हा ने एक प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा शुरू किए गए इस राष्ट्रव्यापी अभियान का उद्देश्य सभी पात्र व्यक्तियों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना का लाभ पहुँचाना है।

रायपुर नगर निगम ने मुख्य बाजार मार्ग पर चलाया समझाईश अभियानः निगम जोन 4 अध्यक्ष ने दुकानदारों को दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के जोन 4 जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा ने जोन कार्यालय के अध्यक्षीय कक्ष में जोन 4 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव सहित राजधानी शहर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में नगर निगम जोन 4 क्षेत्र के अंतर्गत एवरग्रीन चौक से चिकनी मन्दिर मालवीय मार्ग तक जाने वाले मुख्य बाजार मार्ग के दोनों और के सभी दुकानदारों की बैठक लेकर उन्हें अपना सामान दुकान के शटर के भीतर निर्धारित सीमा में रखकर व्यवसाय करने की समझाईश दी है।

इस पर सम्बंधित मार्ग के सभी दुकानदारों ने अपनी सहमति दी है। इसके साथ मार्ग के सभी दुकानदारों को मार्ग के दोनों ओर की सभी दुकानों के सामने एवरग्रीन चौक से लेकर चिकनी मन्दिर मालवीय मार्ग तक रोड मार्किंग करवाकर निर्धारित सीमा के भीतर वाहनों की पार्किंग करने की समझाईश नगर निगम जोन 4 अध्यक्ष मुरली शर्मा ने जोन 4 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव सहित दी है, अन्यथा की स्थिति में सड़क मार्ग पर कब्जा जमाकर दुकान चलाये जाने पर सम्बंधित दुकानदार पर ई जुर्माना करने और सम्बंधित दुकान को तत्काल सीलबंद करने की कड़ी कार्यवाही करने की स्पष्ट चेतावनी मार्ग के दोनों ओर के सभी दुकानदारों को दी गयी है।

जोन 4 जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा ने जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव सहित कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह, उप अभियंता नगर निवेश विभाग हिमांशु चंद्राकर की उपस्थिति में एवरग्रीन चौक से चिकनी मन्दिर मालवीय मार्ग तक के मुख्य मार्ग का वहाँ के दुकानदारों के साथ प्रत्यक्ष निरीक्षण किया और मुख्य बाजार मार्ग में यातायात सुगम और सुव्यवस्थित बनाने की समझाईश दी, जिस पर सभी दुकानदारों ने अपनी दुकान का सामान शटर की निर्धारित सीमा के भीतर रखकर व्यवसाय करने और रोड मार्किंग सीमा अनुसार उसके भीतर वाहन पार्किंग करने और अच्छी यातायात व्यवस्था कायम करने सहयोग करने अपनी सहमति व्यक्त की है।

विधायक मोतीलाल साहू ने मोवा बाजार चौक सौंदर्याकरण कार्य का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश की सेवा करते हुए छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के मंडी मरका के जंगल में सर्चिग कार्य के दौरान नक्सलियों द्वारा लगाये गये आईईडी ब्लास्ट के कायराना हमले की चपेट में आने की वजह से मोवा बाजार रायपुर निवासी एसटीएफ के आरक्षक भरत लाल साहू वीर गति को प्राप्त हुए। उनकी शहादत की पुण्य स्मृतियां चिरस्थायी बनाने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य के सभी मंत्रियों ने रायपुर शहर के मोवा बाजार चौक का नामकरण शहीद भरत लाल साहू चौक करने का निर्णय लिया है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सभी मंत्रियों द्वारा शहीद भरत लाल साहू की स्मृति में रायपुर मोवा बाजार चौक का नामकरण शहीद भरत लाल साहू चौक किये जाने के निर्णय के शीघ्र व्यवहारिक कियान्वयन हेतु आज रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने नगर निगम रायपुर के जोन क्रमांक 9 के अंतर्गत रायपुर ग्रामीण विधानसभा के अंतर्गत क्षेत्र में आने वाले रायपुर मोवा बाजार चौक में पहुंचकर रायपुर निवासी शहीद भरत लाल साहू के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने कहा कि रायपुर निवासी शहीद भरत लाल साहू की शहादत का सदैव ससम्मान स्मरण किया जाता रहेगा। शहीद भरत लाल साहू ना केवल रायपुर शहर और छत्तीसगढ़ राज्य के बल्कि राष्ट्र के गौरव पुरुष है। उनकी शहादत से रायपुर सहित छत्तीसगढ़ के नागरिको विशेषकर युवाओं को देश सेवा

के लिये जीवन सर्वस्व न्यौछावर करने की सकारात्मक प्रेरणाशक्ति प्राप्त होगी।

रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने मोवा बाजार चौक का नामकरण रायपुर निवासी शहीद भरत लाल साहू की स्मृति में शहीद भरत लाल साहू चौक करने के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में लिए गए सभी मंत्रियों के निर्णय के शीघ्र कियान्वयन हेतु श्रीफल फोडकर और कुदाल चलाकर नगर निगम जोन 9 जोन अध्यक्ष गोपेश साहू, एमआईसी सदस्य खेम कुमार सेन, पार्षद देवदत्त द्विवेदी, गणमान्य जनो, सामाजिक कार्यकर्ताओं, विशिष्टजनों, महिलाओं, नवयुवको, आम जनों सहित 27 लाख रुपए की स्वीकृति लागत से मोवा बाजार चौक का सौंदर्याकरण करने भूमिपूजन कर कार्यारंभ करवाया। रायपुर ग्रामीण विधायक ने नगर निगम जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय को तत्काल स्वीकृति अनुसार मोवा बाजार चौक का सौंदर्गीकरण शीघ्र शहीद भरत लाल साहू चौक नामकरण किये जाने प्राथमिकता से गुणवत्ता सहित सतत मॉनिटरिंग कर पूर्ण करवाने के निर्देश दिये।

प्रोजेक्ट सुरक्षा के तहत अधिकारियों को मिला सीएसआर व फर्स्ट एड प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिला प्रशासन द्वारा जीवन रक्षक उपायों के प्रति जागरूकता और तत्परता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट सुरक्षा के अंतर्गत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित बीपीओ सेंटर, मल्टीलेवल पार्किंग भवन में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला स्तरीय अधिकारियों को आपातकालीन प्राथमिक उपचार, CPR और बचाव तकनीकों की जानकारी दी जा रही है।

प्रशिक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की टीम द्वारा CPR की तकनीक का लाइव डेमोंस्ट्रेशन दिया जा रहा है। विशेषज्ञों ने बताया कि किसी व्यक्ति के बेहोश होने पर तुरंत जांच करनी चाहिए कि उसकी सांसें चल रही हैं या नहीं। प्रतिक्रिया न मिलने पर एम्बुलेंस को कॉल कर सहायता आने तक मरीज को पीठ के बल लिटाकर 30 कम्प्रेशन और 2 रेस्क्यू ब्रीथ्स की प्रक्रिया 5 बार अपनाई जानी चाहिए। इसके अलावा खून बहना, कुत्ते के कांटने, सर्पदंश, जल जाने इत्यादि दुर्घटनाओं में दिए जाने वाले प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

आयुक्त व सह-संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला ने स्वास्थ्य सेवाओं की गहन समीक्षा की

रायपुर। स्वास्थ्य सेवाओं की आयुक्त एवं सह-संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला ने संयुक्त जिला कार्यालय, दंतेवाड़ा में स्वास्थ्य विभाग की बैठक लेकर यहां मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़, सिकल सेल रोग नियंत्रण और टीबी उन्मूलन जैसे विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा की। डॉ. शुक्ला ने स्वास्थ्य अधिकारियों से स्पष्ट लहजों में कहा कि शासन का उद्देश्य मलेरिया को पूरी तरह समाप्त करने का है। यह तभी संभव है जब जिला, विकासखंड और ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य अमला पूरी सक्रियता के साथ कार्य करें। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और खंड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे स्वयं फील्ड में जाकर मलेरिया अभियान की निगरानी करें। डॉ. शुक्ला ने कहा कि आरडी किट से जांच के दौरान यदि कोई व्यक्ति मलेरिया पॉजिटिव पाया जाता है, तो उसे दवा की पूरी खुराक दी जाए।

स्वच्छ रायपुर की ओर कदमः कचरा पृथक्करण लिए दिया संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा रायपुर नगर निगम के सभी 10 जोनों और 70 वार्डों में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान अंतर्गत 31 जुलाई 2025 तक सभी वार्ड क्षेत्र में नागरिकों के मध्य स्वच्छता को लेकर जनजागरण किया जा रहा है। रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा की विशेष उपस्थिति और मार्गदर्शन में सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन 2 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन 2 क्षेत्र अंतर्गत शहीद हेमू कालाणी वार्ड पार्षद कृतिका जैन सहित जोन 2 जोन कमिश्नर डॉ. आरके डोंगरे, कार्यपालन अभियंता पीडी धृतलहरे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनियासहित अन्य सम्बंधित अधिकारियों, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं की उपस्थिति में नगर निगम जोन 2 क्षेत्र अंतर्गत शहीद हेमू कालाणी वार्ड क्षेत्र अंतर्गत देवेन्द्र नगर सेक्टर-3 उद्यान परिसर में उपस्थित नागरिकों और दुकानदारों के

मध्य स्वच्छता जनजागरण अभियान चलाया गया।

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा की विशेष उपस्थिति और पार्षद कृतिका जैन की उपस्थिति में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 2 के स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाकर सभी नागरिकों और दुकानदारों से अपनी-अपनी दुकानों में हरे, नीले और काले रंग के 3 पृथक-पृथक डस्टबिन रखकर हरे डस्टबिन में गीला, नीले डस्टबिन में सूखा और काले डस्टबिन में हानिकारक कचरा पृथक- पृथक करके रखकर उसे निष्पादित करने निगम सफाई मित्र को निगम सफाई वाहन में देने का सामूहिक संकल्प राजधानी शहर रायपुर को स्वच्छ बनाने हेतु सक्रिय सहभागिता दर्ज करने लेने की अपील की गयी।

आत्मा में ही असल आनंद है : मनीष सागर महाराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर। टैगोर नगर पटवा भवन में रविवार को विशेष प्रवचनमाला में परम पूज्य उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने जीवन में सुधार का प्रारंभ कहां से करें सभी को समझाया। उन्होंने कहा कि आज से ही नई शुरुआत करें, जिसकी उपेक्षा करना शुरू कर दिए थे उसे वापस अपने निकट लाएं और जिसके प्रति कुछ वहम पाल लिए थे उसे हटाकर सब कुछ अच्छा है ऐसा मानकर जीवन जीने का प्रयास करें और अपने घर परिवार को स्वर्ग जैसा बनाएं। ऐसा करके हम अपने परिवार के साथ आध्यात्मिक यात्रा में आगे बढ़े।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि निज पर शासन फिर अनुशासन अर्थात् अपने आप पर नियंत्रण आवश्यक है। आत्म-नियंत्रण ही अनुशासन को दर्शाता है। जब हम अपने विचारों, भावनाओं और कार्यों पर पूरी तरह से शासन कर लेते हैं, तभी हम अनुशासन की ओर बढ़ सकते हैं। अनुशासन केवल बाहरी नियमों का पालन करना नहीं है, बल्कि यह आंतरिक शक्ति और आत्म-नियंत्रण का परिणाम है। ये हमें अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने में मदद करता है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हमेशा स्वभाव में शांति, संस्कारों में मर्यादा, समाज में मिलनसारिता और शासन के प्रति समर्पण रखें। यह चार विशेषताएं अपने भीतर डेवलप करें क्योंकि तैयारी नहीं हो तो नाटक भी फेल हो जाता है। यदि जीवन में तैयारी ना हो तो परिवार भी बिगड़ जाता है। आज बच्चे समाज से दूर हो रहे हैं। सबसे पहले अपने बच्चों को सामाजिक बनाएं,समाज से जोड़ें। जैसे हम घर-घर में मंदिर नहीं संघ का मंदिर बनाते हैं ताकि व्यक्ति घर से निकाल कर चार लोगों से मिले और उससे प्रेरणा मिलेगी। कोई तो उदाहरण बनेगा कोई तो आदर्श बनेगा। जब तक सामाजिक नहीं बनोगे तो आध्यात्मिक और धार्मिक कैसे बनोगे। समाज में मिलनसारिता यदि आ जाए तो परिवार में भी मिलनसरिता अपने आप आ जाएगी।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि अनुकूलता में तो सब जीवन जीते हैं प्रतिकूलता में भी हमें जीवन सीखना है। अपनी वे ऑफ़ लिविंग,वे का रिएक्टिंग और वे ऑफवर्किंग बदलना पड़ेगा। ऐसा कर प्राप्त परिस्थिति में आसानी से जी सकेंगे। इस तैयारी की जरूरत सभी को है। आज परिवार में बिखराव के कारण मन अशांत रहता है और जीवन में वास्तव में जो आगे बढ़ने की संभावना है जो इतना अमूल्य जीवन मिला है उसका उपयोग नहीं कर पाते हैं। वह प्रयास और पुरुषार्थ भी खत्म हो जाता है। परिवार को एक प्रयोगशाला बनाएं और अच्छा जीवन जीना सीखो।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जीवन में कभी निंदा नहीं करना चाहिए। कभी किसी के बारे में बुरा नहीं सोचना चाहिए। प्रतिकूल व्यक्ति की भी हमेशा प्रशंसा करना नहीं भूलना चाहिए। प्रतिकूल व्यक्ति के प्रति करुणा करना चाहिए। हमेशा सभी की निस्वार्थ सेवा करना चाहिए। प्रतिकूल व्यक्ति के लिए मौके का इंतजार करना चाहिए,जब जरूरत हो सेवा करते रहना चाहिए। ऐसा करने से देव,गुरु और धर्म का आशीर्वाद सदैव आप पर बना रहेगा। जीवन भी अच्छा होगा और शांति भी जीवन में बनी रहेगी। परिवार में अच्छा जीवन जीने का ट्रायल हो जाएगा तो कहीं भी आपका जीवन जीने का स्वाभाव वैसे ही रहेगा,संस्कार वैसे ही रहेंगे। देव ,गुरु धर्म और बड़ों के प्रति समर्पण रहेगा।

राशा थडानी को पसंद आई सैयारा, अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी लगी शानदार

एक्टर अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर सैयारा को दर्शकों के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री के सितारों से भी खब प्यार मिल रहा है। इसके लिए फिल्म की टीम, खासकर लीड जोड़ी अहान पांडे और अनीत पड्डा को बधाइयां मिल रही हैं। अभिनेत्री राशा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उनकी जोड़ी को सराहा और दोनों की जोड़ी को शानदार बताया।

'आजाद' से डेब्यू करने वाली अभिनेत्री राशा थडानी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर 'सैयारा' की लीड जोड़ी की जमकर तारीफ की। उन्होंने अहान की तारीफ करते हुए लिखा, डियर, तुम चमकने के लिए बने हो! तुम खास हो, मुझे गर्व है कि दुनिया को तुम्हारा टैलेंट देखने को मिल रहा है। काश मैं कल वहां होती तुम्हें सपोर्ट करने और काश मैं प्रशंसकों का प्यार तुम्हारे लिए उमड़ते देखने के लिए वहां मौजूद होती, तुम इस प्यार-सम्मान के हकदार हो।

राशा ने अनीत पड्डा की भी प्रशंसा की और लिखा, अनीत पड्डा, तुम्हें स्क्रीन पर देखकर बहुत अच्छा लगा, तुम जादू हो! तुम्हारी आवाज बेहद खूबसूरत है! तुम लड़कियों के लिए प्रेरणा हो। तुम्हारी अभिव्यक्ति की कला एक तोहफा है। मोहित सूरी, मैं आपसे सीख रही हूं। आपने मेरा दिल खुशी से भर दिया। 'सैयारा' की खूबसूरत दुनिया से रूबरू कराने के लिए धन्यवाद। सिनेमा को कला से सजाने और हमें भावनाओं से जोड़ने के लिए शुक्रिया।

राशा की पोस्ट पर जवाब देते हुए अनीत ने लिखा, राशा, तुम्हारा बहुत-बहुत धन्यवाद, लव यू। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी 'सैयारा' की खूबसूरत कहानी के साथ ही खूबसूरत संगीत भी है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। मोहित 'जहर', 'कलयुग', 'वो लम्हें', 'आवारापन' और 'आशिकी 2' जैसी फिल्मों का निर्माण कर नए सितारों को मौका दे चुके हैं।

भोजपुरी स्टार मोनालिसा ने पूल साइड पर दिखाया हॉट अंदाज, तस्वीरें इंटरनेट पर हुई वायरल

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज से सोशल मीडिया पर छा गई हैं। हाल ही में मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर पूल साइड से अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह ग्रे स्विमसूट में रिलैक्स मूड में नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, कभी-कभी सबसे अधिक उत्पादक चीज़ जो आप कर सकते हैं वह है आराम करना। इस पोस्ट पर फैंस का जबरदस्त रिएक्शन आ रहा है और कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स मिल चुके हैं। मोनालिसा की इन तस्वीरों में उनका कॉन्फिडेंस और स्टाइल साफ झलक रहा है। फैंस ने उन्हें हॉट, क्वीन और स्टनिंग जैसे कमेंट्स से नवाजा है। तस्वीरों में पूल साइड की खूबसूरत लोकेशन और मोनालिसा का रिलैक्स्ड अंदाज दोनों ही सोशल मीडिया यूजर्स को खूब पसंद आ रहे हैं।

मोनालिसा सोशल मीडिया पर अपने बोल्ड और ग्लैमरस फोटोज़ के लिए जानी जाती हैं और इस बार भी उन्होंने साबित कर दिया कि उनका स्टाइल सेंस और चार्म कमाल का है। उनकी ये तस्वीरें एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई हैं और फैंस अब उनकी अगली पोस्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो मोनालिसा जल्द ही अपनी अपकमिंग वेब सीरीज और प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी, जिन्हें लेकर उनके फैंस में काफी एक्साइटमेंट है। अपने हर नए लुक और स्टाइल स्टेटमेंट से मोनालिसा यह साबित कर रही हैं कि वह सिर्फ परदे पर ही नहीं, बल्कि रियल लाइफ में भी ट्रेंडसेटर हैं।

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने सेल्फकेयर रूटीन पर की खुलकर बात

रकुल प्रीत सिंह को लंबे समय से फिल्म उद्योग की सबसे खूबसूरत महिलाओं में से एक माना जाता रहा है, एक सच्ची प्राकृतिक सुंदरता जो सुंदरता और तंदुरुस्ती बिखेरती है। इस सेल्फकेयर मंथ में, इस अभिनेत्री ने एक बार फिर हमें याद दिलाया कि आज की भागदौड़ भरी दुनिया में वह शांति और स्पष्टता की प्रतीक क्यों हैं। फिटनेस, स्वच्छ जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के लिए जानी जाने वाली, रकुल आंतरिक और बाहरी, दोनों ही तरह से स्वास्थ्य के प्रति अपने जमीनी दृष्टिकोण से प्रेरित करती रहती हैं।

अपने विचार साझा करते हुए, उन्होंने एक गहन व्यक्तिगत विचार प्रस्तुत किया जो आत्म-देखभाल और आंतरिक सद्भाव के बारे में उनके दर्शन को दर्शाता है। 卐आत्म-देखभाल हमेशा आकर्षक नहीं होती, यह एक अनुशासन है जिसमें अनुग्रह का स्पर्श होता है। मेरे लिए, इसकी शुरुआत योग से हुई, लेकिन धीरे-धीरे यह एक गहन रूप में विकसित हुई। इसने मुझे रुकना, साँस लेना और अपने शरीर की आवाज़ सुनना सिखाया। मैट पर रोज़ाना बिताया गया वह एक घंटा सिर्फ़ कसरत नहीं है, यह मेरा आश्रय है, एक ऐसी जगह जहाँ बाहरी शोर शांत हो जाता है और मैं अपने भीतर से जुड़ जाती हूँ।

फिटनेस सिर्फ़ शरीर के बारे में नहीं है, यह है कि मैं अपने दिमाग को कैसे साफ़ करती हूँ, अपना ध्यान कैसे केंद्रित करती हूँ और अपने उद्देश्य के साथ कैसे जुड़ती हूँ। मैं शुद्ध भोजन करती हूँ, पूरे मनोयोग से चलती हूँ, और जब मेरा शरीर आराम करने की माँग करता है, तब आराम करती हूँ। पोषण, गति और स्थिरता का यही संतुलन मुझे चमकाता है। मैं इसे दिखावे या सोशल मीडिया के लिए नहीं करती; मैं इसे इसलिए करती हूँ क्योंकि यह मुझे शक्तिशाली, शांतिपूर्ण और जीवंत महसूस कराता है। मेरे लिए, आत्म-देखभाल का मतलब है मुश्किल दिनों में, अच्छे दिनों में, और बीच के हर दिन प्यार, उपस्थिति और शक्ति के साथ उपस्थित होना।

'फ्लॉप अभिनेत्री' कहने पर रूपाली गांगुली का पलटवार जवाब

अनुपमा अभिनेत्री रूपाली गांगुली ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता नीलांजन दास की अपमानजनक टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी है, जिन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शासन पर सवाल उठाने पर उन्हें फ्लॉप सोप अभिनेत्री कहा था। विवाद तब शुरू हुआ जब रूपाली ने ममता बनर्जी के हालिया पोस्ट, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने असम में भाजपा के राजनीतिक एजेंडे पर टिप्पणी की थी। सीएम पर निशाना साधते हुए, रूपाली ने नेता से अपने राज्य के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

अभिनेत्री ने एक्स पर लिखा, दूसरे राज्यों में बंगालियों के लिए मगरमच्छ के आँसू बहाने से पहले, ममता दीदी को जवाब देना चाहिए कि पश्चिम बंगाल में बंगालियों की रक्षा कौन करेगा? संदेशखली से मुर्शिदाबाद तक, बंगालियों पर केवल उनके राज में ही अत्याचार हो रहे हैं। बंगाल अपने ही लोगों के लिए इतना असुरक्षित पहले कभी नहीं रहा। इस टिप्पणी पर ऑनलाइन तीखी प्रतिक्रियाएँ हुईं और कई प्रशंसक अभिनेत्री के समर्थन में उतर आए। रूपाली ने खुद भी इसका जोरदार जवाब दिया। अभिनेत्री ने जवाब दिया, क्या आपकी तथाकथित 'वरिष्ठतम राजनेता' एक लोक सेवक नहीं हैं, या वह एक तानाशाह हैं जिनसे सवाल नहीं किया जा सकता? लेकिन अगर आपने लोगों के प्रति उनके कर्तव्य के बजाय उनके अत्याचार को पहले ही स्वीकार कर लिया है, तो तानाशाही को अपनाने के लिए बधाई।

बहुत उत्साहित और नर्वसः रश्मिका मंदाना जल्द करेंगी बड़ा ऐलान

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना लंबे समय से संकेत दे रही हैं कि उनके प्रशंसकों के लिए उनके पास कुछ बहुत बड़ा है। 'पुष्पा' अभिनेत्री ने इस उत्साह को और बढ़ाते हुए खुलासा किया कि वह बड़ी घोषणा करेंगी। रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वह कहती सुनाई दे रही हैं, ठीक है, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि मैं आखिरकार इसे रिकॉर्ड कर रही हूँ। जैसा कि आप अब तक जानते ही होंगे, मैं अपने दिल के बहुत करीब किसी चीज़ पर काम कर रही हूँ - यह सिर्फ़ एक प्रोजेक्ट नहीं है, यह कुछ ऐसा है जिसमें मैंने आपके लिए अपना प्यार उड़ेला है - हर संदेश के लिए, हर खुशी के लिए, हर उस प्यार के लिए जो आपने वर्षों से मुझे भेजा है। यह मैं आपके साथ उसका एक छोटा सा हिस्सा साझा कर रही हूँ।

मुझे उम्मीद है कि आप इसे महसूस करेंगे, मुझे उम्मीद है कि आपको यह पसंद आएगा - इसे आपके साथ साझा करने के लिए मैं और इंतज़ार नहीं कर सकती। यह कल लॉन्च हो रहा है, और मैं इसे लेकर बहुत बहुत बहुत बहुत उत्साहित हूँ, बहुत घबराई हुई हूँ, और बहुत आभारी भी हूँ, उन्होंने आगे कहा। उनकी नवीनतम इंस्टाग्राम पोस्ट का शीर्षक था, कुछ समय से मैं कुछ ख़ास अपने पास ही रख रही हूँ. और यकीन मानिए, यह आसान नहीं होता जब मैं बस उसे आपके साथ साझा करना चाहती हूँ बस थोड़ी देर और 'एनिमल' अभिनेत्री ने बताया कि वह जल्द ही एक नया व्यवसाय शुरू करने वाली हैं। रश्मिका ने अपने

इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी माँ के साथ हाल ही में हुई बातचीत का एक वीडियो शेयर किया। रश्मिका ने कहा, आज मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण चीज़ की शूटिंग करने जा रही हूँ, जो आपने कहा था; यह व्यवसाय मैं शुरू करने जा रही हूँ। इस पर उनकी माँ ने जवाब दिया, अच्छा करो, अच्छा पाओ। हालाँकि, पोस्ट में यह नहीं बताया गया कि रश्मिका किस व्यवसाय में कदम रख रही हैं।

स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती है शतावरी

शतावरी एक हरी सब्जी होती है, जिसे अंग्रेजी में ऐस्पैरागस भी कहा जाता है। यह लंबे हरे या सफेद तने वाला पौधा होता है, जिसे सब्जी के रूप में पकाकर खाया जा सकता है। इसे आम तौर पर एशियाई या पश्चिमी खान-पान में शामिल किया जाता है। हालांकि, इसके कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं, जिनके कारण इसे डाइट में शामिल करना सही निर्णय हो सकता है। आइए इस सब्जी के मुख्य स्वास्थ्य संबंधी फायदे जानते हैं।

वजन घटाने में मददगार

शतावरी में न केवल कम वसा होती है, बल्कि इसके एक कप में सिर्फ 32 कैलोरी होती हैं। साथ ही इसमें घुलनशील और अघुलनशील फाइबर भी ज्यादा होता है, जिस कारण यह वजन घटाने में मददगार साबित हो सकता है। फाइबर को पचने में थोड़ा समय लगता है, इसलिए इसके सेवन के बाद पेट देर तक भरा रहता है और ज्यादा खाने की संभावना भी कम हो जाती है। ज्यादा लाभ पाने के लिए इसे केवल थोड़े तेल में भूनें।

विटामिन-ई से भरपूर

शतावरी विटामिन-ई का एक अच्छा स्रोत है, जो शरीर के लिए महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट होता है। यह तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद करता है और कोशिकाओं को मुक्त कणों के हानिकारक प्रभावों से बचाता है। विटामिन-ई पाने के लिए शतावरी को थोड़े से जैतून के तेल में पकाना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि अगर इसे थोड़ी वसा के साथ खाया जाए तो शरीर विटामिन-ई को बेहतर तरीके से अवशोषित कर पाता है।

चिड़चिड़ापन दूर करने में सहायक

शतावरी में फोलेट मौजूद होता है, जो एक तरह का विटामिन-बी है।

यह आपके मनोबल को बढ़ा सकता है और चिड़चिड़ापन दूर करने में भी सहायता कर सकता है। अगर आपको अवसाद है या आपके शरीर में फोलेट और विटामिन-बी12 की कमी है, तो शतावरी खाना आपके लिए फायदेमंद होगा। इस सब्जी में ट्रिप्टोफैन नामक एमिनो एसिड भी पाया जाता है, जो मूड को बेहतर बनाने में मदद करता है।

पाचन स्वास्थ्य को दुरुस्त करने में मददगार

अगर आप रोजाना की डाइट में शतावरी शामिल करते हैं तो आपका पाचन स्वास्थ्य दुरुस्त हो सकता है। आधा कप शतावरी में 1.8 ग्राम फाइबर होता है, जो दैनिक जरूरत का 7 प्रतिशत होता है। इसके अलावा, यह सब्जी सभी आवश्यक खनिजों, एंटीऑक्सीडेंट और इनुलिन जैसे प्राकृतिक प्रोबायोटिक्स से भरपूर होती है। ये स्वस्थ आंत बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देने में मदद करते हैं, जिससे पाचन सुधरता है और पेट ठीक रहता है।

ब्लड प्रेशर हो सकता है कम

शोध बताते हैं कि शतावरी पाचन के दौरान पित्त अम्लों की बंधन क्षमता में सुधार करके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है। इस सब्जी में बैंगन, गाजर और ब्रोकली जैसी अन्य सब्जियों की तुलना में ज्यादा पित्त अम्ल-बंधन क्षमता होती है। शतावरी लिपिड चयापचय को विनियमित करके, कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके, रक्तचाप को कम करके और वजन घटाकर आपको स्वस्थ रख सकता है। हालांकि, इस संबंध में और शोध की जरूरत है।

मानसून के दौरान खाने के लिए बेहतरीन है भुट्टा, जानिए स्वास्थ्यवर्धक लाभ

मानसून के दौरान कई लोग भुट्टे के स्वादिष्ट और गर्मागर्म व्यंजनों का आनंद लेना पसंद करते हैं। हालांकि, भुट्टे का सेवन केवल स्वाद के लिए नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि यह कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। आइए आज हम आपको भुट्टे के सेवन से मिलने वाले सेहत के फायदों के बारे में बताते हैं, जिनके बारे में जानकर आप इसे अपनी डाइट में शामिल करने पर मजबूर हो जाएंगे।

वजन नियंत्रित करने में है सहायक

अगर आप वजन घटाने की कोशिश में लगे हुए हैं तो आपको रोजाना एक कप उबले या भुने भुट्टे का सेवन करना शुरू कर देना चाहिए। इसमें मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को ठीक रखने के साथ ही लंबे समय तक पेट को भरा हुआ महसूस करवाता है, जिसके कारण आप ज्यादा खाने से बच जाते हैं। इसके अलावा भुट्टे में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट गुण चर्बी को कम करने में भी मदद कर सकते हैं।

आंखों के लिए है फायदेमंद

अगर आप अपनी आंखों की देखभाल करना चाहते हैं तो रोजाना एक कप उबले या भुने भुट्टे का सेवन करना शुरू कर दें। दरअसल, भुट्टे में ल्यूटिन और जेक्सैन्थिन नाम के खास एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। ये आंखों की रोशनी को कम होने से बचाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा ये एंटी-ऑक्सीडेंट आंखों को सूरज की किरणों से होने वाले नुकसान से भी बचा सकते हैं और रेटिना को स्वस्थ रखते हैं।

दिल के लिए है फायदेमंद

भुट्टे में फाइबर, पोटेशियम, मैग्नीशियम और विटामिन-बी3 जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो दिल को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। ये पोषक तत्व खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा ये पोषक तत्व रक्तचाप को नियंत्रित रखने और रक्त परिसंचरण में सुधार करने में भी मदद कर सकते हैं।

कैंसर से बचाव करने में है प्रभावी

कैंसर एक जानलेवा बीमारी है, लेकिन भुट्टे का सेवन इसमें कुछ हद तक मदद कर सकता है। भुट्टे में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो शरीर में एंटी-ऑक्सीडेंट एंजाइम को सक्रिय करके हानिकारक तत्वों को बेअसर कर सकते हैं। हानिकारक तत्व शरीर में कैंसर सेल्स के निर्माण का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा भुट्टे में पाए जाने वाले फेनोलिक यौगिक भी कैंसर कोशिकाओं के प्रसार को रोकने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, यह कैंसर का इलाज नहीं है।

पाचन क्रिया को ठीक रखने में है सहायक

पाचन क्रिया को ठीक रखने में भी भुट्टे का सेवन अहम भूमिका निभा सकता है। इसमें सूजन को कम करने वाले गुण पाए जाते हैं, जो आंत को आराम दे सकते हैं। इसके अलावा इसमें फाइबर होता है, जो मल त्याग को आसान बनाकर कब्ज की समस्या से राहत दिला सकता है। हालांकि, अगर आपको पेट की समस्याएं हैं तो डॉक्टर की सलाह के बाद ही भुट्टे का सेवन करें।

शहर को भी अपना घर समझें और स्वच्छ रखें: अरुण साव

उप मुख्यमंत्री ने अटल परिसर का किया लोकार्पण, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण भी किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। उप मुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने कोरबा नगर निगम कोरबा में लगभग 30 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें भूमिपूजन के 74 कार्य, राशि 24 करोड़ 76 लाख रुपए और लोकार्पण के 19 कार्य राशि चार करोड़ 60 लाख रुपए शामिल हैं। श्री साव ने विवेकानंद उद्यान के सामने अटल परिसर का लोकार्पण किया। उन्होंने अटल परिसर में स्थापित पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण भी किया।

कार्यक्रम में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, विधायक प्रेमचंद पटेल, कोरबा नगर निगम की महापौर संजू देवी राजपूत और सभापति नूतन सिंह ठाकुर भी शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री साव ने लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह गौरव की बात है कि अब प्रदेश के नगरीय निकायों को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त होने लगा है। कोरबा नगर निगम को भी स्वच्छता के लिए पुरस्कार मिलना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि कोरबा में तेज गति से स्वच्छता के काम हो रहे हैं। आने वाले समय में कोरबा नम्बर वन पर रहे, इसके लिए आमजनों का सहयोग जरूरी है। श्री साव ने कहा कि जिस तरह हर व्यक्ति अपने घर को स्वच्छ रखता है, उसी तरह शहर को भी अपना घर समझें और स्वच्छ रखें। कोरबा शहर साफ-सुथरा हो, इसके लिए सभी का सहयोग आवश्यक है।

श्री साव ने कोरबा के विकास के लिए नगर निगम में 72 कार्यों हेतु 18 करोड़ रुपए और देने की घोषणा करते हुए कहा कि कोरबा ऊर्जाधानी है और यहाँ के लोगों में ऊर्जा बनी रहे, इस दिशा में कार्य करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में विकास के लिए राशि उपलब्ध कराई जा रही है। अकेले कोरबा नगर निगम को 280 करोड़ की राशि विकास कार्यों के लिए दी गई है। उन्होंने कहा कि कोरबा जिले में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) की राशि से भी विकास के कार्य कराए जा रहे हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उद्योग व वाणिज्य तथा श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कोरबा के विकास के लिए पर्याप्त राशि प्रदान की है।

इसके अलावा डीएमएफ और अन्य मद से भी कोरबा को विभिन्न कार्यों के लिए राशि दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिले से प्राप्त राशि को जिले में ही खर्च करने की व्यवस्था प्रदान की है। इससे कोरबा में लगातार विकास के कार्य कराए जा रहे हैं। श्री देवांगन ने शहर के सभी 67 वार्डों में समग्र विकास कार्य कराने के लिए संकल्पित होने की बात कही और स्वच्छता के मामले में देश की रैंकिंग में नम्बर वन बनाने की दिशा में कार्य करने और आम नागरिकों से भी इसके लिए सहयोग की अपील की।

उन्होंने अटल परिसर के निर्माण और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी की प्रतिमा के अनावरण होने पर इसे कोरबा के लिए गौरव बताया। कार्यक्रम को महापौर संजू देवी राजपूत ने भी सम्बोधित किया। कलेक्टर अजीत वसंत, एसपी सिद्दार्थ तिवारी और निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय सहित पार्षदगण और अन्य जनप्रतिनिधिगण बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

बस्तर में 'बिहान' से लखपति दीदी बनने की ओर अग्रसर महिलाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के तहत राज्य में महिलाएं अब आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। बस्तर जिले में जगदलपुर, तोकापाल, लोहंडीगुड़ा और दरभा – इन चार विकासखंडों में चिन्हांकित 16 इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर्स के माध्यम से लगभग 4600 परिवारों को एकीकृत खेती और संबद्ध गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य समूह से जुड़ी महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाना है, जिससे वे सालाना एक लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित कर सकें।

'बिहान' परियोजना के तहत, पारंपरिक खेती से हटकर उन्नत किस्म के बीजों और नई तकनीकों का उपयोग करके अधिक मात्रा में उत्पादन पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही, पौधों में होने वाले रोगों की रोकथाम के लिए भी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

परियोजना के पहले चरण में, स्वसहायता समूह से जुड़ी 1800 से अधिक दीदियों ने अपने घरों के बाड़ी में 5 से 10 डिसमिल भूमि पर लतर वाली सब्जियों जैसे करेला, बरबटी, लौकी, तरोई और गिलकी का उत्पादन शुरू किया है। इसके लिए उन्होंने मल्चिंग और मचान जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया है।

ग्राम कलचा के जयंती बघेल बिहान स्व सहायता समूह' की सदस्य हैं और लगभग 15 डिसमिल में सब्जी उत्पादन कर रही हैं। इसी तरह ग्राम नेगीगुड़ा की पद्मा बघेल 'रुपशिला स्व सहायता समूह' से जुड़ी हैं और 10 डिसमिल में सब्जी उगा रही हैं। ग्राम बीजापुट की चंपा बघेल 'जीवन ज्योति स्व सहायता समूह' की सदस्य हैं और 25 डिसमिल में, जबकि ग्राम करणपुर की हीरामणि 'दुलार देई स्व सहायता समूह' की सदस्य हैं और 5 डिसमिल में सब्जी उत्पादन कर रही हैं।

बिल्हा तहसील में नवीन सिविल कोर्ट भवन का लोकार्पण, मुख्य न्यायाधीश सिन्हा बोले-

न्यायिक अधोसंरचना से न्याय शीघ्र व सुलभ होगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में न्यायिक अधोसंरचना में वृद्धि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट करते हुए एवं आमजन के लिए बेहतर कार्य वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा के द्वारा रविवार को बिलासपुर जिला के बिल्हा तहसील में नवीन सिविल कोर्ट भवन का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी पोर्टफोलियो न्यायाधीश जिला बिलासपुर, न्यायामूर्ति नरेन्द्र कुमार व्यास, न्यायमूर्ति रविन्द्र कुमार अग्रवाल, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की गरिमामय उपस्थिति रही।

मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा ने न्याय की प्रभावी पहुंच आमजन तक स्थापित किये जाने में न्यायिक अधोसंरचना के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि, सशक्त अंधोसंरचना ही प्रभावी न्यायप्रणाली की आधारशिला होती है। छ.ग. राज्य के समस्त जिले में बुनियादी न्यायिक अधोसंरचना स्थापित होने से न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की दक्षता बढ़ने के साथ-साथ आमजन को निष्पक्ष एवं कुशल न्याय, शीघ्र, सरल, सुलभ हो सकेगा।

मुख्य न्यायाधिपति के द्वारा नवीन सिविल न्यायालय भवन बिल्हा की हरियाली, वातावरण एवं स्वच्छता के साथ साथ न्यायालय कक्ष, सुविधाजनक प्रतिक्षालय, शिशु देखभाल कक्ष अभियोजन कार्यालय, सुरक्षित बंदीगृह एवं उपलब्ध सुविधाओं की प्रंशसा करते हुए कहा कि यह भवन छत्तीसगढ़ के अन्य जिला न्यायालयों के लिये मिसाल साबित होगा।

इस अवसर पर मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा ने कहा कि, माननीय उच्चतम न्यायालय के द्वारा न्यायिक संस्थाओं में बुनयादी एवं आधारभूत सुविधा उपलब्ध किये जाने पर जोर दिया जाता रहा है। उनकी प्राथमिकता ऐसी व्यवस्था किये जाने की है कि, छत्तीसगढ़ के सभी न्यायिक संस्थाओं में सर्वसुविधायुक्त भवन हो, जिससे आधारभूत संसाधन उपलब्ध रहे। उन्होंने कहा कि बिल्हा में नवीन सिविल कोर्ट भवन, समय की जरुरत थी।

बिल्हा में नवीन न्यायालय भवन निर्माण से स्थानीय नागरिकों को न्याय तक त्वरित पहुँच सुनिश्चित होगी। यह भवन न केवल भौतिक रूप से सुसज्जित है, बल्कि इसमें डिजिटल कोर्ट, वकीलों के लिए आधुनिक कक्ष, अस्पताल, ए.टी.एम. तथा प्रतीक्षालय जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं। मुख्य न्यायाधिपति द्वारा उपस्थित न्यायिक अधिकारी, कर्मचारी एवं अधिवक्तागण को दिशानिर्देश दिया गया कि, सुविधायुक्त अधोसंरचना व आधुनिक तकनीकी का उपयोग पक्षकारों को सुविधापूर्ण वातावरण में शीघ्र एवं गुणवत्तायुक्त न्याय प्रदान किये जाने हेतु किया जाए। न्याय की आशा के साथ उपस्थित पक्षकारों की समस्याओं को सुविधापूर्ण वातावरण में शीघ्रता से निराकृत किया जाए।

यह उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा द्वारा पद भार ग्रहण करने के पश्चात् सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य के दूरस्थ जिला मुख्यालय एवं बाह्य न्यायलयों का भ्रमण कर न्यायिक अधोसंरचना एवं आवश्यक सुविधाओं का अभाव होने से पक्षकारों, अधिवक्तागण, न्यायिक कर्मचारी एवं अधिकारियों को होने वाली असुविधा को दृष्टिगत रखते हुये दूरदर्शिता-पूर्ण एवं सकारात्मक सोच के भागीरथ प्रयास किये जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में न्यायिक अधोसंरचना से अभूतपूर्ण विकास कार्य हो रहा है। इससे अधिकारी एवं कर्मचारियों की दक्षता में वृद्धि होने के साथ पक्षकारों को सुविधायुक्त वातावरण, शीघ्र न्याय प्राप्त करने की परिकल्पना साकार हो रही है।

बिल्हा का नवीन न्यायालय भवन का निर्माण कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्ता के उच्चतम मानको के अनुरूप पूर्ण हो सका है। लोकार्पण, कार्यक्रम की शुरूआत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बिलासपुर के स्वागत भाषण से हुई और समापन मुख्य न्यायिक मजिस्टेट धन्यवाद ज्ञापन से हुआ, कार्यकम के पश्चात न्यायालय भवन प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया।

महासमुंद जिले के खिलाड़ी तीरंदाजी में छाए प्रतिष्ठित खेल अकादमियों में ले रहे प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ का महासमुंद जिला खेलों के क्षेत्र में एक नई पहचान गढ़ रहा है। खासकर तीरंदाजी जैसे पारंपरिक खेल प्रतिस्पर्धी में जिले के 23 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने देश की प्रतिष्ठित खेल अकादमियों में प्रशिक्षण लेकर न केवल अपने सपनों को साकार कर रहे हैं, बल्कि जिले, राज्य और देश का नाम भी रोशन कर रहे हैं। महासमुंद की पद्मा साहू, भारतीय खेल प्राधिकरण बहालगढ़, सोनीपत (हरियाणा) में दाखिला पाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं, आज जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। उनकी शुरुआत भी महासमुंद की धरती से ही हुई थी।

38वें नेशनल गेम्स, उत्तराखंड 2025 में महासमुंद की चांदनी साहू ने तीरंदाजी में व्यक्तिगत इंडियन राउंड में रजत पदक तथा टीम इवेंट में कांस्य पदक जीतकर जिले को गौरवान्वित किया। इसके लिए उन्हें मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा 3,20,000 रूपए (रजत) और 1,20,000 रूपए (कांस्य) की नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। 31वीं सीनियर, 44वीं जूनियर और 40वीं सब-जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप में महासमुंद के खिलाड़ियों चांदनी साहू, सत्यभामा साहू, पद्मा साहू, जया साहू, नवलीन कौर, तोरण यादव, कमलेश साहू आदि ने हिस्सा लेकर जिले की प्रतिभा का प्रमाण दिया।

साई रायपुर एवं कोदूराम वर्मा खेल अकादमी, रायपुर में 11 खिलाड़ी प्रशिक्षणरत हैं। खेलो इंडिया सेंटर, बिलासपुर में 11 खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। कुल मिलाकर 23 खिलाड़ी देश व राज्य की शीर्ष खेल अकादमियों में उत्कृष्ट प्रशिक्षण ले रहे हैं।

स्कूल स्तर से उठाया गया कदम

पीएमश्री आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल बागबाहरा, बसना, शासकीय उच्च. माध्य. विद्यालय बकमा, कोमाखान, खोपली जैसे शालाओं में तीरंदाजी को बढ़ावा देकर छात्र-छात्राओं को शुरुआती मंच प्रदान किया गया। खिलाड़ियों की सफलता में कलेक्टर विनय लंगेह का मार्गदर्शन एवं युवा कल्याण विभाग, साई, भारतीय आर्चरी संघ, कैपीन होम लिमिटेड रायपुर व खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे का भी विशेष योगदान रहा, जिनके प्रयासों से संसाधनों, प्रतियोगिताओं, प्रशिक्षण शिविरों और अकादमी प्रवेश का मार्ग प्रशस्त हुआ।

छत्तीसगढ़ में आधार ऑपरेटर चिप्स की धांधली से परेशान, सरकार से की कार्रवाई की मांग

आधार ऑपरेटरों का भुगतान रोकने से लेकर गलत डाटा सीट देने का हो रहा काम, समाधान नहीं हुआ तो करेंगे उग्र आंदोलन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीगसढ़ के विभिन्न जिलों एवं ग्राम पंचायत के आधार ऑपरेटर चिप्स (आधार एजेंसी) की धांधली से परेशान हैं। इस संबंध में तमाम आधार ऑपरेटरों की शिकायतों पर छत्तीसगढ़ आधार समिति के अध्यक्ष भोजवानी साहू ने रायपुर में प्रेसवार्ता में सरकार से कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने विभिन्न बिंदुओं पर सरकार के सामने आधार ऑपरेटरों की मांग रखी है। आधार ऑपरेटरों ने यह चेतावनी भी दी है कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आगे जाकर उग्र आंदोलन करेंगे।

ई डिस्टीक मैनेजर अपना मानमानी चला रहे

उन्होंने कहा कि चिप्स द्वारा मानमानी करते हुए फेस-2 में जो रिकर्वरी था उसे जोड़ा नहीं गया है। ऑपरेटर को 2017 से दिसम्बर 2022 तक कार्य करने के उपरांत रिकवरी राशि 3,44,000 रुपए था उसे जनवरी 2023 से जून 2024 तक का हिसाब में वर्तमान पेनाल्टी 0 रुपए दिया गया है। छत्तीसगढ़ में चिप्स द्वारा भर्ती किए गए ई डिस्टीक मैनेजर अपना मानमानी चला रहे है इन हॉउस मॉडल में चिप्स द्वारा संचालित नियम सभी जिले के लिए एक होना चाहिए कुछ जिलों में पुराने ऑपरेटर को भर्ती प्रक्रिया में प्राथमिकता दिया जा रहा है वह सही है लेकिन रायपुर जिले में दस्तावेज के आधार पर भर्ती किया जा रहा है वहीं महासमुंद जिले में 12वीं का प्रतिशत एवं कम्प्यूटर प्रतिशत के आधार पर भर्ती किया जा रहा है जो कि नियमता गलत है।

उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि विभिन्न आधार ऑपरेटरों को पेमेंट से संबंधित गलत डाटा सीट दिया जा रहा है जिसमें जुलाई, अगस्त, दिसम्बर 2023 का डाटा चिप्स द्वारा गायब कर दिया गया है जिनको पेनाल्टी लगा है उन्हें पेनाल्टी सीट दिया गया है जिनको भुगतान करना है उनको पेनाल्टी सीट नहीं दिया गया है ना ही किसी प्रकार की जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि चिप्स कार्यालय द्वारा जी.एस.टी. हेतु दिनांक 27 नवंबर 2024 को लेटर जारी किया गया लेकिन आधार ऑपरेटरों से 2017 से जी.एस.टी. काटा जा रहा है। भोजवानी साहू ने प्रेसवार्ता में बताया कि यूआईडीएआई हैदराबाद द्वारा पेनाल्टी राशि उस महिने के लगने वाले पेनाल्टी का 10 प्रतिशत देना होता है लेकिन कार्यालय चिप्स द्वारा आधार ऑपरेटरों से 100 प्रतिशत मनमानी तरीके से वसुला जा रहा है। चिप्स कार्यालय द्वारा कुछ ऑपरेटरों का 2016 से एवं समस्त ऑपरेटरों का 2022 से भुगतान नहीं किया गया है। जिनको पेनाल्टी नहीं लगा है उनका चिप्स के पास कोई डाटा सीट नहीं है इनके पास लगभग 1800 आधार ऑपरेटर है लेकिन इनके द्वारा मात्र कुछ लोगों का जिनसे पेनाल्टी लेना है उन्हीं का डाटा सीट तैयार किया गया है कहने पर स्टेशन आईडी बताओं उसके उपरांत आपको डाटा सीट बनाकर दिया जाएगा ऐसा कहा गया।

आधार आपरेटरों के पास रखे साक्ष्य के अनुसार ऑपरेटरों को 25 जून 2021 से जीएसटी स्लिप मिलना चालू हुआ लेकिन चिप्स ऑफिस के द्वारा हमें 2017 से ही जीएसटी वसूल किया जा रहा है। टीडीएस की जानकारी लेने पर प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा गोलमोल जवाब दिया गया जो कि संतोषप्रद नहीं है क्यूंकि यदि टीडीएस कटता है, तो आधार संचालक को फॉर्म 16 दिया जाना चाहिए। जिनको पेनाल्टी लगा है उन्हीं का शीट चिप्स द्वारा दिया गया है लेकिल जिनका कमिशन बना उनका पेमेंट डिटेल शीट आज दिनांक तक आधार ऑपरेटरों को अप्राप्त है। साथ ही बहुत से आधार संचालकों को आज दिनांक तक आधार के कमीशन का भुगतान नहीं हुआ है। जनवरी 2022 से जून 2024 तक जारी पेनाल्टी शीट में 3 माह का डाटा गायब है लेकिन आज हमें पता चला है कि 3 माह का डाटा भी आ गया है।

पेनाल्टी राशि नही पटाने पर भर्ती प्रक्रिया में अपात्र

भोजवानी साहू ने बताया कि रायपुर जिले में पेनाल्टी राशि नहीं पटाने पर भर्ती प्रक्रिया में अपात्र कर दिया गया है तथा 4 वर्ष का कार्य अनुभव होने के उपरांत कम्पूटर सर्टिफिकेट नही होने के कारण अपात्र कर दिया गया है जबकि आधार ऑपरेटर नियुक्ति करते समय कोई ऐसा नियम नहीं बनाया गया था। छत्तीसगढ़ में लगभग 1800 लगभग आधार ऑपरेटर है लेकिन चिप्स द्वारा मात्र लगभग 845 आधार कीट इन हाउंस मॉडल के लिए खरीदा जा रहा है, जबकि प्रोजेक्ट में 1000 से अधिक मशीन खरीदने के लिए शासन द्वारा राशि बजट 2024-25 में स्वीकृत किया गया है।

ग्राम पंचायत के आधार ऑपरेटरों को बाहर किया जा रहा

भोजवनी साहू ने बताया कि शासन द्वारा ग्राम पंचायत के हितग्रहियों को बेहतर सुविधा के लिए डिजिटल ग्राम पंचायत एवं वर्तमान सरकार द्वारा अटल डिजिटल पंचायत खोला जा रहा है लेकिन ग्राम पंचायत के आधार ऑपरेटरों को आधार कार्य से बाहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चिप्स द्वारा आधार ऑपरेटरों के प्रशिक्षण के लिए जो राशि यूआईडीएआई से प्राप्त होता है उसे भी 2015 से अब तक गबन करते आ रहे है और ऑपरेटरों को दस्तावेज संबंधित किसी प्रकार का प्रशिक्षण नहीं दिया जा रहा है। चिप्स को हर महिने यूआईडीएआई द्वारा ऑपरेटरों के किए गए कार्य का भुगतान कर दिया जाता है लेकिन चिप्स द्वारा भुगतान 2 से 3 साल अटकाकर किया जाता है।

सेंटरिंग प्लेट आपूर्ति ने महिला समूहों को दिखाई नयी राह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सेंटरिंग प्लेट का निर्माण परम्परागत रूप से पुरूष प्रधान रहा है, लेकिन अब रायगढ़ जिले की 100 स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने लोन लेकर सेंटरिंग प्लेट निर्माण का कार्य शुरू किया है। ये कार्य महिलाओं को न केवल एक स्थिर आय का स्रोत प्रदान कर रहे है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में इनसे निमार्ण एवं विकास कार्य को गति मिली है, और महिलाएं भी आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर हुई हैं।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के सामूहिक विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान किया जाता है। रायगढ़ विकास खण्ड में लगभग 100 समूह की महिलाओं ने संकुल एवं ग्राम संगठन से सीआईएफ राशि के तहत 60 हजार रुपये से लेकर 3 लाख रुपये तक का लोन प्राप्त किया है। लोन की इस राशि से महिलाओं ने सेंटरिंग प्लेट बनवा कर उसे पीएम आवास सहित गांवों में चल रहे अन्य निर्माण कार्यों के लिए किराये पर उपलब्ध करवा रही हैं। इससे वे अब उद्यमिता की नई राह पर भी बढ़ चली हैं। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास निर्माण में इन सेंटरिंग प्लेट की आपूर्ति होने से निर्माण की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है।

खास खबर

शराब के नशे में चुन्नी से फंदा बनाकर झूल गया युवक

रायगढ़। रविवार की दोपहर शराब के नशे में युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जूटमिल थाना क्षेत्र के जेलपारा निवासी निर्मल लहरे(29) ने दोपहर 1 बजे के आसपास अपने ही घर के चुन्नी से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। परिजन जब उसके कमरे में पहुंचे तो निर्मल को फांसी पर लटकता देखा। लोगों ने बताया कि निर्मल शादीशुदा था और उसका एक बेटा भी है। परिजनों के अनुसार सुबह से निर्मल शराब के नशे में था। किस कारण से उसने आत्महत्या की, इसकी जानकारी परिजन को भी नहीं है। फ्लिहाल जूटमिल पुलिस सूचना के बाद मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजकर जांच कर रही है।

महिला की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

सारंगढ़-बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के चौहानपारा क्षेत्र में एक मकान से महिला का शव बरामद होने से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान प्रमिला अजय (31 वर्ष) निवासी अन्डोला, थाना कोसीर के रूप में हुई है। शव मकान मालकिन सरिता गोन्डे के घर से मिला, जिस पर कई जगह चोट के निशान पाए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर जांच शुरू की। प्राथमिक जांच के बाद पुलिस ने मकान मालकिन सरिता गोन्डे (45) और उसके भतीजे अमित कुर्रे (32) के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। सरिता को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अमित फिलहाल फरार है। पुलिस का कहना है कि मामला बेहद संवेदनशील है और यह पता लगाया जा रहा है कि मृतका प्रमिला अजय सरिता गोन्डे के घर कैसे पहुंची और किन परिस्थितियों में उसकी हत्या की गई। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर किया दुष्कर्म

जांजगीर। जांजगीर-चांपा जिले की बम्हनीडीह पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर भगा ले जानें और दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को जम्मू-कश्मीर से गिरफ्तार किया है और उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

खाद-बीज की कालाबाजारी पर नकेल, बिलासपुर के दर्जनों कृषि केन्द्रों में रेड, दर्जनों केन्द्रों को नोटिस जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किसानों को उचित दाम पर गुणवत्ता युक्त खाद मुहैया कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। इसके साथ ही अमानक एवं खाद-बीज की कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए है। इसी कड़ी में बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिला स्तर पर अधिकारियों की टीम गठित कर खाद-बीज विक्रय केंद्रों में आकस्मिक निरीक्षण का निर्देश दिया।

बिलासपुर कृषि विभाग के उप संचालक पीडी हथेश्वर के नेतृत्व में उड़न दस्ता दल ने विकासखण्ड-कोटा और बिल्हा में दर्जनों पर कृषि केन्द्रों पर छापामार कार्रवाई की। छापामार कार्रवाई के दौरान आधा दर्जन कृषि केंद्रों में नियम विरूद्ध व्यवसाय करते पाया गया। इन्हें नोटिस जारी करते हुए एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा गया है। निरीक्षण के दौरान मेंसर्स किसान सेवा केन्द्र तखतपुर के

फर्म में कमी एवं अनियमितताओं के कारण नोटिस जारी कर जवाब चाहा गया था, संबंधित के द्वारा प्रस्तुत जवाब संतोषजनक प्राप्त नहीं होने के पर उनकी अनुज्ञप्ति को 15 दिवस के लिए निलबंन की कार्रवाई की गई है।

बिलासपुर के उप संचालक कृषि ने बताया कि मेसर्स उन्नत कृषि केन्द्र रतनपुर में क्रेताओं को बिना बिल दिये उर्वरक का व्यवसाय किये जाने के कारण नोटिस जारी किया गया। इसी प्रकार मेसर्स शेखर कृषि केन्द्र कोनचरा को बिना आईएफएमएस, आईडी के उर्वरक का व्यवसाय करते पाये जाने पर विक्रय प्रतिबंध कर उपलब्ध स्टॉक को जब्ती की कार्यवाही कर नोटिस जारी किया गया। ग्राम कोनचरा स्थित अतुल कृषि केन्द्र में अनियमितता पाये जाने के कारण गोदाम को सील करने की कार्यवाही किया गया। ग्राम मदनपुर विकास खण्ड बिल्हा अन्तर्गत मेसर्स राघवेन्द्र देवांगन के यहां मूल्य एवं स्कंध सूची का प्रदर्शन नहीं करने भंडारण वितरण की प्रतिवेदन नही भेजने, स्कंध एवं बिल संधारण नहीं करने के कारण विक्रय पर प्रतिबंध लगाकर स्पष्टीकरण जारी किया गया है। उक्त कृषि केन्द्रो को स्पष्टीकरण तामिल हेतु सात दिवस के भीतर पालन प्रतिवेदन एवं जवाब प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। समय सीमा एवं संतोषप्रद जवाब प्रस्तुत नहीं किये जाने पर अनुज्ञप्ति निलंबन निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण दल में सहायक संचालक कृषि अनिल कुमार शुक्ला, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी खेमराज शर्मा, विजय धीरज एवं विकासखण्ड कोटा से ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी दिलीप रात्रे एवं उर्वरक निरीक्षक मारू ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी आरजी भानू शामिल थें। गौरतलब है कि जिले में संचालित समस्त उर्वरक विक्रेताओं को बिना पॉस मशीन के उर्वरकों का विक्रय नहीं किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित निरीक्षकों से उनके कार्य क्षेत्र अन्तर्गत संचालित उर्वरक विक्रेताओं से पॉस मशीन की मांग के लिए भी कहा गया है उर्वरक विक्रेता पॉस मशीन हेतु वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, संबंधित उर्वरक निरीक्षक एवं कार्यालय उप संचालक कृषि बिलासपुर में सम्पर्क कर सकते हैं।

लंबे समय से फरार 10 वारंटी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के निर्देशन पर रायगढ़ जिले में फरार वारंटियों, चोरी और लूट के मामलों में पुलिस द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 20 जुलाई 2025 को थाना छाल पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है, जब निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर कुल 10 फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। ये सभी आरोपी लंबे समय से गिरफ्तारी वारंट की तामिली से बचते आ रहे थे और लगातार फरार चल रहे थे।

थाना छाल की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से अलग-अलग गांवों और ठिकानों पर दबिश देकर सभी को हिरासत में लिया। गिरफ्तार किए गए

आरोपियों के विरुद्ध पूर्व से न्यायालय द्वारा वारंट जारी किया गया था, जिन्हें अब न्यायिक प्रक्रिया में आगे बढ़ाया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी छाल के साथ पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की सतत निगरानी, तकनीकी सर्च और स्थानीय जानकारी के माध्यम से सफलता हासिल की गई। पुलिस अधीक्षक ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए निर्देश दिए हैं कि ऐसे फरार वारंटियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रखी जाए ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था और मजबूत हो सके।

रॉड व कुल्हाड़ी से वार कर युवक की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के खम्हारडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत भवानी नगर स्थित एक खाली मैदान में बीते शनिवार रात को एक युवक की निर्मम हत्या कर दी गई। घटना को अंजाम देने वाले दोनों आरोपी सगे भाई निकले, जिन्हें पुलिस ने कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की इस वारदात में मारे गए युवक की पहचान सुनील राव के रूप में हुई है। मृतक के पिता ललित राव की शिकायत पर थाना खम्हारडीह में अपराध क्रमांक 164/25, धारा 103(1), 3(5) बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज किया गया। प्रार्थी के अनुसार, 19 जुलाई 2025 की रात लगभग 9:30 बजे उनका पुत्र सुनील राव खदान की ओर गया था, जहां मोहल्ले के युवक राहुल यादव उर्फ दादू (20 वर्ष) और उसका भाई ओम प्रकाश उर्फ प्रकाश उर्फ साधू (19 वर्ष) ने उसे गालियां देते हुए रॉड और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

हत्या की खबर मिलते ही पुलिस उपमहानिरीक्षक व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने इसे गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण

कीर्तन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक विधानसभा वीरेन्द्र चतुर्वेदी, एवं थाना प्रभारी वासुदेव परगनिहा को जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घटना के कुछ ही घंटों के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि मृतक सुनील राव बार-बार उनकी गैरमौजूदगी में उनके घर जाता था, जिससे दोनों भाई नाराज़ थे। इसी बात को लेकर उन्होंने उसकी हत्या की योजना बनाई और घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त रॉड और कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है। आरोपियों के खिलाफकानूनी कार्रवाई कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

शराब के लिए मांगे पैसे, मना करने पर युवक पर चाकू से जानलेवा किया हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सोनिया गांधी नगर खुर्सीपार के सेलून संचालक से जबरिया शराब के लिए रूपये मांगे। नहीं देने पर आरोपियों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार सेलून दुकान सोनिया गांधी नगर खुर्सीपार भिलाई का संचालक मोहम्मद अफरान (20 वर्ष) निवासी राजीव नगर जोन-2 खुर्सीपार कल शाम करीबन 6 बजे दुकान पर था। तभी आरोपी मोह जफर, मनीष सिन्हा, कृष्णा राजभर एक राय होकर सेलून दुकान पहुंचे और सेलुन प्रिंस मेन्स में शराब पीने के लिए रूपया मांगे। अफरन द्वारा रूपये नहीं देने पर आरोपियों ने उसे जान से मारने की नियत से हाथ मुक्का से मारपीट शुरू कर दी।

जफर ने अपने पास रखे चाकू से मारपीट कर चोट पहुंचाया। थाना प्रभारी थाना छावनी उप पुलिस अधीक्षक नवी मोनिका पाण्डेय ने बताया कि घटना की रिपोर्ट पर छावनी पुलिस ने बीएनएस की धारा 109, 119(1), 3(5) कायम कर विवेचना मे लिया गया। विवेचना के दौरान मोह. जफर, मनीष सिन्हा एवं कृष्णा राजभर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के द्वारा चाकू से मारने से धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट जोड़ी गई। मामला अजमानतीय होने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। आरोपी मोहम्मद जफर (25 वर्ष) निवासी बैकुण्ठ धाम मंदिर के पास भिलाई, मनीष सिन्हा (25 वर्ष) निवासी बैरागी मोहल्ला इंदू टेक्निकल के सामने भिलाई एवं कृष्णा राजभर (22 वर्ष) दुर्गा नगर पानी टंकी के पास भिलाई का निवासी है।

युवकों को किशोरी से छेड़छाड़ करना पड़ा भारी, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में स्कूल से लौट रही 12वीं की छात्रा से दो युवकों ने अश्लील टिप्पणी कर छेड़छाड़ की। इतना ही नहीं विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने थाने में शिकायत की है। मामला घरघोड़ा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा शनिवार को स्कूल से अकेले घर लौट रही थी। तभी दो युवक पल्सर बाइक पर आए और उसका पीछा किया। अश्लील टिप्पणी करते हुए छेड़छाड़ करने लगे। नाबालिग ने इसका विरोध किया और कहा कि वह थाने में शिकायत करेगी। तब युवकों ने गाली-गलौज करते हुए उसे जान से मारने की

धमकी देकर चले गए। नाबालिग डरी-सहमी रोते हुए घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी। जिसके बाद रविवार को नाबालिग अपने परिजनों के साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

इसके बाद पीड़िता के परिजन उन युवकों की तालाश कर रहे थे। तभी दोनों युवक घरघोड़ा-रायगढ़ रोड पर नजर आए। युवकों ने नाबालिग और उनके परिजनों को देखकर पल्सर की पेट्रोल खत्म होने पर बाइक छोड़कर जंगल की ओर भाग गए। जब इसकी जानकारी घरघोड़ा पुलिस को लगी, तो वे मौके पर पहुंचे। बाइक बिना नंबर प्लेट की थी। बाइक पर इंस्टाग्राम आईडी का एक स्टीकर लगा था। इंस्टाग्राम आईडी के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की जांच शुरू की। तब उनकी पहचान तेलीपारा कोतबा निवासी साहिल साहू (20) और झिंगरैलपारा कोतबा निवासी हरि बंजारा (19) के रूप में हुई। पुलिस की टीम ने कोतबा से दोनों युवकों को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

दुर्ग सेंट्रल जेल में बंदी ने की खुदकुशी, टॉयलेट के पास फंदे पर झूला, पत्नी की हत्या के केस में था बंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सेंट्रल जेल दुर्ग में रविवार की सुबह विचाराधीन बंदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिस चादर पर बंदी सोता था उसी का फंदा बनाकर झूल गया। बंदी के आत्महत्या की सूचना मिलने के बाद हड़कंप मच गया। जेल प्रबंधन ने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी। पद्मनाभपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पीएम के लिए भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक का नाम किशुन साहू देवरी गांव धमधा का रहने वाला था। पत्नी की हत्या के मामले में वह 2024 से जेल में निरुद्ध था। बंदी किशुन साहू ने जेल के अंदर चादर से फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया था। उसका शव बैरक नंबर 20 के शौचालय में फांसी के फंदे पर लटकता मिला। घटना की सूचना के बाद जेल प्रबंधन ने इसकी सूचना पद्मनाभपुर

पुलिस को दी। जेल प्रबंधन का कहना है कि बंदी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और उसका जेल में ही उसका उपचार चल रहा था। फ्लिहाल पद्मनाभपुर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में ले लिया है।

पत्नी की हत्या के बाद खुद सरेंडर हुआ था मृतक

बंदी किशुन साहू अपनी ही पत्नी की हत्या के मामले में जेल में बंद था। 19 अप्रैल 2024 को किशुन साहू ने अपनी कविता साहू की हत्या कर दी थी। दोनों के बीच किसी बात को लेकर काफी विवाद हुआ और इसके बाद किशुन ने जानवर को बांधने वाली रस्सी से उसका गला दबा दिया। जब उसकी मौत हो गई इसके बाद उसने शव को लकड़ी के म्यार से लटका दिया और खुद थाने जाकर सरेंडर कर दिया। पुलिस ने किशुन को पत्नी के हत्या के मामले गिरफ्तार का जेल भेज था।

दुर्ग में रिटायर्ड मैनेजर समेत 2 लोगों से ठगी

दुर्ग। साइबर ठगी के मामलों में एक ही पैटर्न पर जामुल और सुपेला थाना क्षेत्र के दो बुजुर्गों के खातों से कुल 4.70 लाख रुपये उड़ा लिए गए। जानकारी के मुताबिक, दोनों पीड़ित अपने एसबीआई योनो एप को अपडेट कर रहे थे। इसी दौरान खुद को बैंक का कस्टमर केयर अधिकारी बताकर एक अनजान नंबर से फोन आया। कॉलर ने व्हाट्सऐप पर एक लिंक भेजा और एप अपडेट करने के नाम पर उनकी डिटेल्स ली। इसके बाद बिना ओटीपी बताए ही उनके खातों से लाखों रुपये ट्रांसफर कर दिए गए। नेहरू नगर पश्चिम निवासी राजेश कुमार पांडेय का सेक्टर-4 स्थित एसबीआई शाखा में सेविंग अकाउंट है। 26 जून की सुबह उन्हें फोन आया और एप अपडेट करने के नाम पर लिंक भेजा गया। राजेश कुमार ने जैसे ही डिटेल भरी, उसके बाद बिना ओटीपी बताए ही उनके खाते से 1.90 लाख रुपये निकल गए। दूसरा मामला जामुल थाना क्षेत्र का है। हाउसिंग बोर्ड निवासी और माइंस के रिटायर्ड मैनेजर 85 वर्षीय रमाशंकर पांडेय के खाते से भी ठगों ने इसी तरीके से 2.80 लाख रुपये उड़ा लिए। फिलहाल दोनों मामलों में जामुल और सुपेला थाना पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरक्षक के घर से दो बच्चियों का रेस्क्यू

बिलासपुर। पुलिसकर्मियों ने दो बच्चियों से बंधुआ मजदूरी कराकर टॉर्चर किया। जशपुर जिले की दो नाबालिग बच्चियों को पढ़ाई का झांसा देकर लाया गया, फिर पुलिसकर्मियों के क्वार्टर में नौकरानी की तरह काम करवाया गया। घर का पूरा काम करने के बावजूद बच्चियों को डराकर, धमकाकर रखा गया। उनके साथ मारपीट की गई। इस बीच रविवार की रात किसी तरह दोनों बच्चियां वहां से भागने में सफल रहीं। अभी उन्हें सखी सेंटर में रखा गया है। जहां बच्चियों को बंधक बनाकर गया था, वो दोनों कॉन्स्टेबल हैं। मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है। दरअसल, जशपुर निवासी 13 साल और 16 साल की दो बच्चियों को उनके कथित रिश्तेदार पढ़ाई कराने की बात कहकर 6 महीने पहले सिरगिट्टी क्षेत्र के तिफरा स्थित पुलिस क्वार्टर में लेकर पहुंचे।

छत्तीसगढ़ को स्किल हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम 8183 युवाओं को दी गई ऑनलाइन स्किल ट्रेनिंग

रूंगटा यूनिवर्सिटी ने वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया नया कीर्तिमान, 25 युवाओं को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के भिलाई स्थित रूंगटा यूनिवर्सिटी में आयोजित विश्व युवा कौशल उत्सव 2025 के समापन समारोह में रविवार को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस ऐतिहासिक अवसर पर रूंगटा यूनिवर्सिटी ने वर्ल्ड बुक ऑफरिकॉर्ड्स में नया कीर्तिमान दर्ज किया, जिससे न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे प्रदेश के युवाओं को कौशल विकास क्षेत्र में एक नई दिशा मिली है। ऑनलाइन मोड से युवाओं को विभिन्न देशों के विशेषज्ञों द्वारा एक से अधिक कौशलों की ट्रेनिंग दी गई। इस पहल के पहले चरण में 8183 युवाओं को ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न विधाओं से संबंधित स्किल की ट्रेनिंग दी गई। जिसमें से 25 युवाओं को स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रशस्ति पत्र देकर मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

इस अवसर पर रूंगटा यूनिवर्सिटी ने अग्रणी कंपनियां गूगल, आईबीएम, और इंटरनेशनल काउंसिल के साथ मिलकर ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम की शुरुआत की। साथ ही हार्वेड और कैम्ब्रिज के बीच एमओयू हुआ। इससे युवाओं को वैश्विक स्तर की शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह आयोजन इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित हो गया है। गोल्ड बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड की टीम यहां आई है और उन्होंने यहां 8,183 प्रतिभागियों को एक सप्ताह के भीतर दिये गये प्रशिक्षण के लिए इसे प्रमाणित कर इसका सर्टिफिकेट संस्था को प्रदान किया है।

सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर और हुनरमंद बनाने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री साय ने रूंगटा विश्वविद्यालय प्रबंधन को बधाई देते हुए कहा कि प्रबंधन ने प्रशिक्षण का यह आयोजन पूरा नि:शुल्क किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर और हुनरमंद बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। भिलाई को इस्पात नगरी के साथ ही मिनी इंडिया भी कहा जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में रूंगटा यूनिवर्सिटी का योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने 25 वर्षों में हर क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास किया है और इस वर्ष को हम रजत जयंती वर्ष के रूप में मना रहे हैं।

जब डॉ. रमन सिंह मुख्यमंत्री बने थे, तब राज्य में उच्च शिक्षा की संस्थाओं का विस्तार हुआ। आज छत्तीसगढ़ में 15 मेडिकल कॉलेज, आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपलआईटी, सिपेट, एम्स, और लॉ यूनिवर्सिटी जैसे राष्ट्रीय संस्थान मौजूद हैं। हमारे राज्य ने शिक्षा ही नहीं, स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बड़ी प्रगति की है। पिछले डेढ़ साल में हम सुशासन स्थापित करने की दिशा में लगातार प्रयासरत हैं। शासन को पारदर्शी बनाने के लिए अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन कर दी गई हैं, जिससे भ्रष्टाचार के रास्ते बंद हुए हैं और राजस्व वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से समृद्ध प्रदेश है और राज्य को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है।

युवाओं के लिए अवसर खोलने नई औद्योगिक नीति

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सरकार ने युवाओं के लिए अवसर खोलने नई औद्योगिक नीति में अनेक प्रावधान किये हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि एक हजार से अधिक स्थानीय लोगों को रोजगार देने पर अनुदान प्रावधान किये गये हैं। पूरे प्रदेश में उद्योग लगाने पर अनुदान प्रावधान किये गये हैं लेकिन बस्तर और सरगुजा में उद्योग लगाने और भी रियायतें दी गई हैं। बस्तर और सरगुजा औद्योगिक उड़ान के लिए तैयार हैं और यहां के स्थानीय लोगों को इन अवसरों का लाभ दिलाने हम भी तैयार हैं।

नवा रायपुर में हुआ फार्मास्युटिकल कंपनी का शुभारंभ

नवा रायपुर में फार्मास्युटिकल कंपनी का शुभारंभ विगत दिवस हुआ है। यह कंपनी रायपुर में दो कारणों से स्थापित हुई, पहले तो हमने यहां फार्मा हब बनाया, दूसरा फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री में निवेश में नई औद्योगिक नीति में विशेष प्रावधान हैं। इस इंडस्ट्री से जरा दूर ही दो महीने पहले हमने प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर यूनिट का शिलान्यास किया। इसलिए हो सका क्योंकि हमने एआई और आईटी के क्षेत्र में निवेश पर विशेष अनुदान प्रावधान किये हैं। एआई में बड़ी संभावनाओं को देखते हुए हमने देश का पहला एआई डाटा सेंटर पार्क नवा रायपुर में स्थापित किया है।

32 विकासखंडों में स्किल इंडिया का काम शुरू

हमारी सरकार ने बस्तर के सभी 32 विकासखंडों में स्किल इंडिया का काम शुरू कर दिया है। नई औद्योगिक नीति में हमने आकर्षक प्रावधान रखे हैं। इज आफडूइंग बिजनेस और इज आफलिविंग को बढ़ावा देते हुए हमने सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से क्लीयरेंस की प्रक्रिया को बेहद आसान कर दिया है। जब हम नई औद्योगिक नीति को लेकर देश के महानगरों में गये तो हमने जितना सोचा था, उससे कहीं बेहतर रिस्पांस मिला। अब तक हमें 6 लाख 75 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं और इनके अनुमोदन की प्रक्रिया तेजी से जारी है। इस नवीन औद्योगिक क्रांति की संभावनाओं के चलते हमारे जो युवा रोजगार के अवसरों के लिए बाहर जाने से हिचकते हैं उनके लिए स्वर्णिम अवसर उपलब्ध होंगे।

रूंगटा जैसी संस्थाएं सरकार की सहयोगी

मुख्यमंत्री ने इस बात की गहरी खुशी जतायी कि निजी क्षेत्र की रुंगटा विश्वविद्यालय जैसी संस्थाएं हुनरमंद लोगों को तैयार करने के सरकार के प्रयासों में बराबर की सहयोगी है। उन्होंने प्रशिक्षण लेने वाले प्रतिभागियों और विश्वविद्यालय परिवार को इस सफलता के लिए बहुत बधाई दी। कार्यक्रम को सांसद विजय बघेल और विधायक रिकेश सेन ने भी संबोधित किया। रूंगटा युनिवर्सिटी के कुलपति संतोष रूंगटा ने स्वागत उद्बोधन में युनिवर्सिटी की कार्य गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने युनिवर्सिटी प्रबंधन की ओर से मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री साय एवं अन्य अतिथियों को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर संभाग आयुक्त एसएन राठौर, आईजी आरजी गर्ग, कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं रूंगटा युनिवर्सिटी के प्रोफेसर, विषय विशेषज्ञ प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

विकसित छत्तीसगढ़ में समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम ''विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़'' निर्माण के लिए काम कर रहे हैं और यह इतना बड़ा कार्य है कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है और यह कार्य बड़े पैमाने पर होना चाहिए, जैसा कि आज हुआ है। प्रधानमंत्री का पद ग्रहण करने के अगले वर्ष ही 2015 में हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने स्किल इंडिया मिशन आरंभ किया। इस मिशन ने देश की तस्वीर ही बदल दी। जब यह मिशन आरंभ हुआ, उस समय भारत दुनिया की दसवें नंबर की अर्थव्यवस्था था। आज एक दशक के भीतर हमारा देश जापान को भी पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर आ चुका है। प्रधानमंत्री जी ने जिस तरह से मेगा प्लेसमेंट कैंप देश भर में आयोजित किये हैं उससे देश भर में नियोक्ताओं को कुशल लोग मिले हैं और कुशल लोगों को उपयुक्त नियोक्ता मिले हैं। यह संतुलन बहुत जरूरी था और यह डबल इंजन की सरकार में हो रहा है।

इंटर्नशिप योजना एक बेहद महत्वपूर्ण योजना

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना एक बेहद महत्वपूर्ण योजना है। प्राय: यह होता है कि कोई युवा जब किसी उद्योग में नौकरी के लिए आवेदन करते हैं तो उन्हें कहा जाता है कि अनुभव बताओ। स्वाभाविक रूप से यह इसलिए होता है कि एकदम से नया व्यक्ति संस्थान के लिए उतना उपयोगी नहीं होता, कुछ चीजें सीखता है तभी प्रभावी परिणाम दे पाता है। अब इंटर्नशिप योजना से युवाओं को प्रशिक्षण के दौरान इंसेटिव मिल रहा है। इस एक पहल ने युवाओं के लिए संभावनाओं के द्वार खोल दिये हैं।

खेल युवाओं में साहस, शक्ति और दृढ़ संकल्प का विकास करते हैं : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित वाको इंडिया राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग चैम्पियनशिप 2025 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर देश के 28 राज्यों से आए लगभग 1200 प्रतिभागियों और 300 कोचों का भगवान श्रीराम की ननिहाल और माता कौशल्या की पावन धरती छत्तीसगढ़ में हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि यह राज्य का सौभाग्य है कि वाको इंडिया राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग फेडरेशन ने इस प्रतिष्ठित आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ को चुना।

मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों को छत्तीसगढ़ राज्य की विशेषताओं से अवगत कराते हुए बताया कि यह देश के हृदयस्थल पर स्थित एक छोटा, परंतु अत्यंत समृद्ध प्रदेश है, जिसका 44 प्रतिशत भूभाग सुरम्य वनों से आच्छादित है। यहाँ 5,000 वर्ग किलोमीटर में फैला सघन अबूझमाड़ क्षेत्र है, जहाँ सूर्य की किरणें तक नहीं पहुँचतीं। राज्य में मनोरम जलप्रपात, सुंदर गुफाएँ, समृद्ध खनिज संपदा और सांस्कृतिक विविधता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने देशभर से आए खिलाड़ियों को आग्रहपूर्वक छत्तीसगढ़ घूमने का निमंत्रण भी दिया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किक बॉक्सिंग जैसे खेल युवाओं में साहस, शक्ति और दृढ़ संकल्प का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर और अधिक सशक्त स्थान प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने किक बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ को इस भव्य आयोजन के लिए साधुवाद देते हुए कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग हैं, जो केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और समर्पण का भी पाठ सिखाते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे मेहनत, लगन और जुनून के साथ अपने लक्ष्यों की दिशा में निरंतर अग्रसर रहें। मुख्यमंत्री ने कहा, जीत और हार जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन असली लक्ष्य अपनी क्षमता को पहचानना और उसे निखारना होना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित खेलो इंडिया कार्यक्रम की सराहना करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों को इस योजना से जोड़ा गया है, ताकि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के खिलाड़ियों को समान अवसर प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन योजनाओं पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने यह भी बताया कि ओलंपिक जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 1 से 3 करोड़ रुपये तक की पुरस्कार राशि देने की योजना सरकार की प्रतिबद्धता का परिचायक है। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि इस योजना के तहत खेल मैदानों का उन्नयन, उच्च स्तरीय उपकरणों की व्यवस्था, खेल क्लबों को आर्थिक सहायता तथा पारंपरिक खेलों के आयोजन सुनिश्चित किए गए हैं। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों को प्रतिस्पर्धा में भागीदारी के लिए शुभकामनाएँ दीं और आशा जताई कि आगामी वर्षों में छत्तीसगढ़ देश में खेलों के क्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि किक बॉक्सिंग जैसे खेल विशेष रूप से बालिकाओं की आत्मरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने सभी स्कूली छात्र-छात्राओं से पढ़ाई के साथ-साथ खेलों को भी अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में खेलों को हर स्तर पर प्रोत्साहन मिल रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में खेल अकादमियों और आधारभूत संरचनाओं का निर्माण भी तेजी से किया जा रहा है। महापौर मीनल चौबे ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पौधरोपण करना पुनीत और प्रेरणादायी कार्य: उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत बालोद जिले में 1.74 लाख पौधरोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बालोद जिला प्रशासन की पहल पर आयोजित वृहद वृक्षारोपण सह वन महोत्सव कार्यक्रम में एक लाख 74 हजार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बालोद जिले के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने इस पुनीत कार्य में शामिल सभी लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी। समारोह में शर्मा ने वृक्षारोपण कार्य में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया और उपस्थित जनसमूह को 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अनिवार्य रूप से पौधरोपण करने तथा उनकी देखभाल एवं सुरक्षा की समुचित उपाय सुनिश्चित करने की शपथ भी दिलाई।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे माताओं और बहनें जब कोई संकल्प ले लेती है, तो उस संकल्प को पूरा करके ही छोड़ती है। उन्होंने इस कार्यक्रम मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि जब हम रोजमर्रा के कार्यों के अलावा जन कल्याण के पुनीत भावना को लेकर जनहित में इस प्रकार के महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने का बीड़ा उठाते है तब वह कार्य सभी के लिए आदर्श एवं प्रेरणादायी बन जाता है। इस पावन कार्य का लाभ हमारी आने वाली पीढ़ी को चीरकाल तक मिलता रहेगा। इस मौके पर उन्होंने वेबएक्स के माध्यम से पौधरोपण के कार्य में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद भोजराज नाग ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन के फलस्वरूप उसका दुष्प्रभाव मानव जाति के अलावा संपूर्ण जीव-जगत पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे पुराणों में उल्लेख किया गया है कि एक पेड़ लगाने के पुनीत कार्य को दस पुत्रों के बराबर माना गया है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से प्रत्येक नागरिक जुड़ने की अपील की। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और सांसद भोजराज नाग सहित सभी अतिथियों, आमनागरिकों, अधिकारी-कर्मचारियों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत अपनी-अपनी माताओं के नाम से पौध रोपण किया। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि गुरूर विकासखण्ड भू-जल की दृष्टि से क्रिटिकल जोन में शामिल है।

वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के राष्ट्रीय संकल्प में छत्तीसगढ़ की भूमिका महत्वपूर्ण- मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिक्षा ही वह साधन है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने लक्ष्यों की प्राप्ति कर सकता है और अपने सपनों को साकार कर सकता है। शिक्षा से ही रोजगार के अवसर सृजित होते हैं। व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास हमारी सरकार का मूलमंत्र है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के राष्ट्रीय संकल्प में छत्तीसगढ़ की महत्त्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित है।

हमने राष्ट्रीय विजन के अनुरूप छत्तीसगढ़ विजन डॉक्युमेंट भी जारी किया है, और उसके प्रत्येक बिंदु को धरातल पर उतारने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिलासपुर के सिम्स ऑडिटोरियम में आयोजित रजक युवा गाडगे सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने संत गाडगे महाराज की पूजा-अर्चना कर राज्य स्तरीय गाडगे सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने सम्मेलन में रजक समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, प्रबुद्धजनों एवं समाजसेवियों को शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि रजक समाज का सामाजिक समरसता और सेवा भाव हमेशा से अनुकरणीय रहा है।छत्तीसगढ़ के प्रत्येक गांव में इस समाज की उपस्थिति है, और शादी-विवाह, छठ्ठी सहित अन्य सनातन परंपराएं इनके सहयोग के बिना पूर्ण नहीं होतीं। इनके पुश्तैनी व्यवसाय के सशक्तिकरण हेतु राज्य सरकार ने रजककार विकास बोर्ड का गठन किया है, जिसके माध्यम से उन्हें किफायती दर पर ऋण सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज के युवाओं को उन्नति के नए आयाम तक पहुँचाने के लिए राज्य सरकार पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और सुशासन की स्थापना के लिए राज्य सरकार ने सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया है। आज अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन मोड में संचालित की जा रही हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार की गुंजाइश समाप्त हुई है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रत्येक गारंटी को वचनबद्धता के साथ पूर्ण कर रही है। हमने 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी की है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख महिलाओं को प्रति माह एक-एक हजार रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। तेन्दूपत्ता की खरीदी 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से की जा रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नई औद्योगिक नीति के माध्यम से महिलाओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों एवं दिव्यांगजनों को रोजगार एवं उद्योग स्थापित करने हेतु विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। नई उद्योग नीति से आकर्षित होकर बीते छह से आठ महीनों में लगभग साढ़े छह लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार ने युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों के अवसर सृजित किए हैं। डेढ़ वर्षों में लगभग 10 हजार सरकारी नौकरियाँ प्रदान की गई हैं। पाँच हजार शिक्षकों की भर्ती हेतु शीघ्र ही विज्ञापन जारी किया जाएगा। साथ ही, स्वरोजगार के लिए भी सकारात्मक वातावरण तैयार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने अपने उद्बोधन के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से हमें अलग छत्तीसगढ़ राज्य मिला। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के 15 वर्षों के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से राज्य को भुखमरी की समस्या से मुक्ति मिली और जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तार हुआ।

सम्मेलन की अध्यक्षता रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक ने की। कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध लोकगायिका श्रीमती रजनी रजक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, क्रेडा अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950